❒ लखनऊ
❒ वर्ष: 22
❒ अंक : 230

RNI.NO.
UPHIN/2004/13730

Email:
prabhatsamaynews@gmail.com

प्रभात समय

❒ प्रातः कालीन संस्करण ❒ मंगलवार, 07 अप्रैल 2026 ❒ पृष्ठ : 08 ❒ मूल्य : 2 रुपया

जनकल्याण की धारा में बहता नया भारत 04

सनी लियोन वाला किरदार निभाएंगी तमन्ना भाटिया 08

संक्षिप्त खबरें

यूपी में बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

लखनऊ। पिछले दो दिन आंधी बारिश की मार झेलने के बाद सोमवार को फौरी राहत महसूस कर रहे उत्तर प्रदेश के लोगों को एक बार फिर मौसम की बेरुखी का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग ने प्रदेश में सात से नौ अप्रैल के बीच तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि की संभावना को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। 7 अप्रैल से पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बारिश का दौर शुरू होकर 9 अप्रैल तक पूर्वी हिस्सों में भी असर दिखेगा। इस दौरान कई जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है।

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो हैंड ग्रेनेड, पिस्तौल के साथ तीन गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब काउंटर इंटेलिजेंस ने पीआईओ (भारतीय मूल के व्यक्तियों) द्वारा संचालित आईएसआई समर्थित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से दो हैंड ग्रेनेड और एक विदेशी निर्मित ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। ग्रेनेड पर पीओएफ (पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री) की मार्किंग है, जो सीमा पार संबंधों की ओर इशारा करती है। उन्होंने कहा कि गुजरात एटीएस के साथ एक समन्वित अभियान में एक आरोपी को अहमदाबाद से गिरफ्तार किया गया है।

दिल्ली विधानसभा की सुरक्षा में सेंध, दरवाजा तोड़ते हुए गाड़ी लेकर परिसर में घुसा शख्स

नयी दिल्ली। दिल्ली में सोमवार को एक सनसनीखेज़ घटना सामने आयी जब एक शख्स दिल्ली विधानसभा के लोहे के दरवाज़े को अपनी तेज़-रफ्तार कार से तोड़ता हुआ विधानसभा परिसर में घुस गया। पुलिस के अनुसार, यह घटना अपराह्न करीब दो बजे हुए। आरोपी ने विधानसभा परिसर के द्वार नंबर-2 से प्रवेश किया, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की कार के करीब एक फूलों का गुलदस्ता रखा और फिर वहां से फरार हो गया। उल्लेखनीय है कि यह द्वार वीआईपी प्रवेश के लिए आरक्षित है। आरोपी ने यहां लोहे के दरवाज़े और फाटक दोनों को तोड़ते हुए परिसर में प्रवेश किया। पुलिस ने इसे सुरक्षा में गंभीर चूक माना है। घटना के बाद बम निरोधक दस्ते और अपराध शाखा की टीमों को घटनास्थल पर उतारा गया, लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। विशेष पुलिस आयुक्त अनिल शुक्ला (विशेष सेल) और विशेष पुलिस आयुक्त (कानून व्यवस्था) मौके पर मौजूद रहे। परिसर में घुसने वाली गाड़ी की पहचान सफ़ेद टाटा सिएरा एसयूवी के तौर पर हुई है, जिसका पंजीकरण नंबर उत्तर प्रदेश का था।

9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा

एजेंसी

मदुरै। साल 2020 के चर्चित सथानकुलम कस्टोडियल किलिंग मामले में एक बड़ा और अहम फैसला सामने आया है। मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने इस मामले में दोषी पाए गए तमिलनाडु के 9 पुलिसकर्मियों को मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने इस घटना को रेयरेस्ट ऑफ रेयर यानी बेहद जघन्य अपराध मानते हुए यह सख्त सजा दी है।

यह फैसला छह साल तक चले लंबे ट्रायल के बाद सुनाया गया। मामले की सुनवाई फर्स्ट एडिशनल डिस्ट्रिक्ट एंड सेशंस जज जी मुथुकुमारन की अदालत में हुई, जिन्होंने सभी नौ आरोपियों को हत्या और अन्य संबंधित धाराओं में दोषी करार दिया. अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यह मामला अत्यधिक क्रूरता और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण है।

❒ तमिलनाडु कस्टोडियल डेथ केस-कोर्ट ने 'रेयरेस्ट ऑफ रेयर' बताया

❒ 6 साल पहले पिता-पुत्र की हिरासत में मौत हुई थी

यह मामला तूतीकोरिन जिले के सथानकुलम से जुड़ा है, जहां व्यापारी पी जयराज और उनके बेटे जे बेन्निक्स की हिरासत में मौत हो गई थी। दोनों को 19 जून 2020 को पुलिस ने कोविड-19 लॉकडाउन नियमों के उल्लंघन के आरोप में हिरासत में लिया था। आरोप था कि उन्होंने अपनी मोबाइल एक्सेसरी की दुकान निर्धारित समय के बाद भी खुली रखी थी। जांच के दौरान सामने आया कि हिरासत में दोनों के साथ लगातार और बर्बर मारपीट की गई। उन्हें पूरी रात प्रताड़ित किया गया, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट के अनुसार, दोनों को ब्लंट फोर्स ट्रॉमा और भारी रक्तस्राव जैसी चोटें लगीं, जो उनकी मौत का कारण बनीं। इस घटना के बाद पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। लोगों ने पुलिस हिरासत में होने वाली हिंसा पर सवाल उठाए और न्याय की मांग की।मामला इतना गंभीर हो गया कि इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई।

सीबीआई ने अपनी जांच में पाया कि यह अत्याचार पूर्व नियोजित था और पूरी रात चलाया गया। जांच एजेंसी ने अदालत में यह दलील दी कि आरोपियों ने जानबूझकर इस वारदात को अंजाम दिया, इसलिए उन्हें अधिकतम सजा दी जानी चाहिए. अदालत ने सीबीआई की इस दलील को स्वीकार किया. इस मामले में जिन नौ पुलिसकर्मियों को दोषी ठहराया गया है, उनमें इंस्पेक्टर एस. श्रीधर, सब-इंस्पेक्टर पी. रघु गणेश और के. बालकृष्णन शामिल हैं। इसके अलावा हेड कांस्टेबल एस. मुरुगन और ए. समदुरई तथा कांस्टेबल एम. मुथुराज, एस. चेल्लादुरई, एक्स. थॉमस फ्रांसिस और एस. वेलुमुथु के नाम भी शामिल हैं। इस केस में एक दसवां आरोपी स्पेशल सब-इंस्पेक्टर पॉलदुरई भी था, जिसकी ट्रायल के दौरान कोविड-19 से मौत हो गई थी। अदालत ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा कि यह मामला सामान्य अपराध नहीं है, बल्कि इसमें पुलिस द्वारा अपनी शक्ति का दुरुपयोग करते हुए अत्यधिक क्रूरता दिखाई गई. इसलिए इसे रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी में रखते हुए मौत की सजा देना उचित है।

जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को उम्रकैद की सजा

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने साल 2003 के बहुचर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनायी है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायाधीश अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की अपील को स्वीकार करते हुए निचली अदालत के फैसले को निरस्त कर दिया। न्यायालय ने अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 1,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर छह माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। यह फैसला 31 मई 2007 को रायपुर की विशेष अदालत द्वारा दिए गए निर्णय को पूरी तरह पलटता है, जिसमें अमित जोगी को साक्ष्यों के अभाव में बरी कर दिया गया था, जबकि चिमन सिंह, याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी समेत अन्य 28 आरोपियों को दोषी ठहराया गया था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में यह भी स्पष्ट किया कि एक ही गवाही के आधार पर कुछ आरोपियों को सजा देना और कथित मुख्य साजिशकर्ता को छोड़ देना न्यायसंगत नहीं है। न्यायालय ने इसे विधिक दृष्टि से त्रुटिपूर्ण बताया। गौरतलब है कि यह मामला उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर दोबारा खोला गया था, जिसके बाद उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान सतीश जग्गी की ओर से अधिवक्ता बीपी शर्मा ने गंभीर तर्क प्रस्तुत किए। उन्होंने अदालत को बताया कि यह हत्याकांड उस समय की राज्य सरकार के संरक्षण में रचा गया षड्यंत्र था। दलील दी गई कि जब सीबीआई ने जांच शुरू की, तब प्रभावशाली हस्तक्षेप के चलते महत्वपूर्ण सबूतों को समाप्त कर शेष पेज 02 पर

बंगाल में एसआईआर अधिकारियों को धमकी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

मशीनरी फेल, तो हम देखेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर अधिकारियों को धमकी दिए जाने के मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। सोमवार को अदालत ने कहा कि अगर राज्य की मशीनरी फ़ेल हो जाती है, तो हम देखेंगे कि क्या करना है। गौरतलब है कि बुधवार को कथित तौर पर मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में मालदा के मोथाबाड़ी में तनाव फैल गया था। नाराज मतदाताओं ने पूरे दिन सड़क जाम कर अपने मतदान अधिकार बहाल करने की मांग की।

मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने इसके साथ ही मालदा की घटना को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के फोन कॉल का जवाब नहीं देने पर पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव को कड़ी फटकार लगाई है और उनसे माफी मांगने को कहा है। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस विपिन पंचोली की बेंच ने यह आदेश तब दिया, जब उन्होंने पाया कि राज्य पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, रात में प्रदर्शन उग्र हो गया और प्रदर्शनकारियों ने बीडीओ कार्यालय का कई घंटों तक घेराव किया। इस दौरान 7 न्यायिक अधिकारियों को परिसर के अंदर बंधक बना लिया गया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। बाद में पुलिस ने हस्तक्षेप कर सभी अधिकारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को इस मामले की जांच सीबीआई या एनआईए से कराने का निर्देश दिया था। इसके बाद चुनाव आयोग ने जांच एनआईए को सौंप दी, जिसने शुक्रवार से अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी पूर्ण शक्तियों का प्रयोग करते हुए एनआईए को जांच अपने हाथ में लेने का निर्देश दिया, भले ही दर्ज एफआईआर का अपराध एनआईए के शेड्यूल वाले अपराध न हों। कोर्ट ने कहा कि अगर एनआईए को अन्य आयाम मिलते हैं तो वह अतिरिक्त एफआईआर भी दर्ज कर सकता है। एनआईए को समय-समय पर सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट सौंपनी होगी। एजेंसी ने सीलबंद लिफाफ़े में अपनी प्रारंभिक स्टेटस रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने राज्य पुलिस को मामले के सभी रिकॉर्ड तुरंत एनआईए को सौंपने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा मने पाया कि जिन एफआईआरों का ज़िक्र किया गया है, वे राज्य पुलिस ने दर्ज की थीं और राज्य/स्थानीय पुलिस के खिलाफ गंभीर आरोप हैं। हम एनआईए को निर्देश देते हैं कि वह उन एफआईआरों को अपने हाथ में ले ले, चाहे उनमें कोई भी वजह बताई गई हो। इसलिए, अनुच्छेद 142 के तहत हम निर्देश देते हैं कि ऐसी एफआईआरों को एनआईए अपने हाथ में ले ले, चाहे उनमें कोई भी वजह हो। अगर हमारे आदेश में उदाहरण के तौर पर बताए गए अपराध में अलग-अलग वजहों से दूसरे लोग भी शामिल पाए जाते हैं, तो एनआईए को और एफआईआर दर्ज करने की पूरी आज़ादी होगी। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि समय-समय पर कोर्ट में एक स्टेटस रिपोर्ट जमा की जानी चाहिए।

❒ आप पूरी तरह नाकाम, माफी मांगिए, मुख्यसचिव को लगाई तगड़ी फटकार

यूसीसी और एक देश-एक चुनाव होगा अगला मिशन : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सत्ता में रहकर हासिल की गई बहुत सी उपलब्धियों के बाद भाजपा का मिशन अभी भी जारी है और यूनिफॉर्म सिविल कोड तथा 'वन नेशन, वन इलेक्शन' जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर देश में गंभीर चर्चा हो रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भाजपा आगे भी हर चुनौती का सामना ईमानदारी से करती रहेगी और सकारात्मक परिणाम मिलते रहेंगे।

वीडियो संदेश से पार्टी कार्यकर्ताओं को आज संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश जानता है कि भाजपा ने हमेशा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले भी सरकार के प्रयासों से सकारात्मक नतीजे मिले हैं और भविष्य में भी इसी दिशा में कार्य जारी रहेगा। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि अंग्रेजों के दौर के सैकड़ों पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया गया, लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए नए संसद भवन शेष पेज 02 पर

45-दिनों के संभावित संघर्ष-विराम की शर्तों पर चर्चा

एजेंसी

मास्को। अमेरिका, ईरान और क्षेत्रीय मध्यस्थ संघर्ष को सुलझाने के लिए बनाई गयी दो-चरणों वाली योजना के पहले चरण के तौर पर 45 दिनों के संभावित युद्धविराम की शर्तों पर चर्चा कर रहे हैं।अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। एक्सियोस एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ट्रंप प्रशासन ने हाल के दिनों में ईरान के सामने कई प्रस्ताव रखे थे, लेकिन ईरानी अधिकारियों ने अभी तक उनमें से किसी को भी स्वीकार नहीं किया है। सूत्रों के मुताबिक अगले 48 घंटों के भीतर दोनों पक्षों के बीच किसी समझौते की संभावना कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इससे पहले सोशल मीडिया पर ईरान के ऊर्ज़ा संयंत्रों और पुलों को मंगलवार को नष्ट करने की धमकी दी है और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है। एक्सियोस की रिपोर्ट के अनुसार संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक दो-चरणों वाले समझौते पर फिलहाल चर्चा चल रही है। पहले चरण में 45 दिनों का युद्धविराम शामिल है, जिसके दौरान अंतिम शांति की शर्तों पर चर्चा की शेष पेज 02 पर

नरेंद्र भूषण गए केंद्र, आशीष व सुंदरम को अतिरिक्त प्रभार

प्रभात समय संवाददाता

❒ आशुतोष निरंजन प्रतिनियुक्ति से वापस लौटे

लखनऊ। राज्य सरकार ने केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय में सचिव भूमि संसाधन के पद पर नियुक्ति पाने के बाद वर्ष 1994 बैच के आईएएस अधिकारी नरेंद्र भूषण को सोमवार को कार्यमुक्त कर दिया। उनके दोनों विभागों का दायित्व डा. आशीष कुमार गोयल और डा. एमकेएम सुंदरम को दिया है।

डा. आशीष कुमार गोयल को अपर मुख्य सचिव ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। उनके पास अध्यक्ष उत्तर प्रदेश पावर कार्पोरेशन लिमिटेड, जल विद्युत निगम, राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पारेषण एवं अपर स्थानिक आयुक्त का दायित्व पूर्ववत बना रहेगा। डा. एमके एम सुंदरम को प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन के साथ प्रमुख सचिव प्राविधिक शिक्षा का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

ये दोनों विभाग नरेंद्र भूषण के पास थे। इसके अलावा यूपी काडर के आईएएस अधिकारी आशुतोष निरंजन केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौट आए हैं। वे 28 जून 2024 से 5 अप्रैल 2026 तक केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर रहे। स्वयं के अनुरोध पर उनकी समय पूर्व यूपी में वापसी हुई है। उन्होंने सोमवार को राज्य के नियुक्ति विभाग में ज्वाइनिंग दे दी।

मुख्यमंत्री ने किया दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन

इमर्जिंग टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने में मददगार होगी कंप्यूटर लैब : योगी

प्रभात समय संवाददाता

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के महत्वपूर्ण शैक्षिक संस्थान दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में आधुनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कंप्यूटर लैब इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, शोध-अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने में विद्यार्थियों के लिए काफी मददगार साबित होगी।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने बच्चा बाबू के नाम से मशहूर रहे डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए उनके परिवार की कंप्यूटर लैब के जरिये की गई पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम दिग्विजयनाथ पीजी कॉलेज में लंबे समय तक सेवा देने वाले प्रोफ़ेसर, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के वरिष्ठ सदस्य डॉ. तेज प्रताप शाही की स्मृतियों को नमन करने के लिए आयोजित किया गया है। उनके पुत्रों ने महाविद्यालय में स्थापित यह अत्याधुनिक कंप्यूटर लैब, विद्यार्थियों ज्ञानवर्धक के लिए काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय तेज प्रताप शाही के पुत्रों अनन्य प्रताप शाही और अतिरेक शाही को हृदय से साधुवाद दिया और डॉ. शाही की स्मृतियों को नमन करते हुए अपनी विनम्र श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान बच्चा बाबू की गोरक्षपीठ के प्रति अगाध निष्ठा को याद कर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि वास्तव में व्यक्ति क्या है, हम उसके रहते हुए उसको समझने का प्रयास नहीं करते। हम लोगों ने स्वर्गीय हरि प्रसाद शाही को नहीं देखा था, लेकिन उनके पुत्रों को और उसमें डॉ. तेज प्रताप शाही को बहुत नजदीक से कार्य करते हुए देखा है। समन्वय करने और संबंधों को भी बनाए रखना बच्चा बाबू से सीखा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉ. तेज प्रताप शाही गोरखपुर कांग्रेस के अध्यक्ष थे। केंद्र और राज्य में कांग्रेस की सरकार थी। कांग्रेस के साथ रहते हुए भी डॉ. तेज प्रताप शाही गोरक्षपीठ के अनन्य भक्त थे। गोरक्षपीठ के मूल्यों और आदर्शों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा थी। वह पूज्य महाराज ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथजी के साथ सदैव खड़े रहने वाले लोगों में से थे। विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी वह साथ रहे। मुख्यमंत्री ने भावुक होकर एक संस्मरण साझा करते हुए कहा, ह्लमुझे याद है जुलाई 2020 में एक दिन अचानक डॉ. तेज प्रताप शाही का फोन आया। समय लेकर वह अपने दोनों पुत्रों को लेकर मिलने आए। मैंने उनको कहा, बच्चा बाबू इनके साथ आप गोरखपुर में भी मिल सकते थे। इस पर उन्होंने कहा कि मुझे कुछ आभास हो रहा था। इसलिए अपने दोनों पुत्रों का आपसे परिचय कराने के लिए लाया हूं। पुत्रों का परिचय कराकर वह बोले, अब आप इनके अभिभावक के रूप में हैं।ङ्क मुख्यमंत्री ने कहा कि वह भौंचक थे और लगा कि हो सकता है कि बच्चा बाबू मेरे साथ मजाक कर रहे हैं। पर, ठीक एक सप्ताह के बाद जानकारी मिली कि उनको कोरोना हो गया है और बाद में जब उन्हें परिजन लखनऊ लेकर गए तो उसके बाद उनका शरीर छूट चुका था। उन्हें इसका एहसास हो गया था।

पत्रकारिता के अलग-अलग आयामों में समन्वय आवश्यक

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि पत्रकारिता के अलग-अलग आयामों के बीच परस्पर समन्वय होना आवश्यक है। यदि किसी एक ही तथ्य को मीडिया के अलग-अलग आयाम भिन्न-भिन्न तरीके और दृष्टिकोण से प्रस्तुत करेंगे तो आमजनमानस के सामने कन्फ्यूजन की स्थिति होगी। ऐसी स्थिति मीडिया के प्रति जनविश्वास को भी प्रभावित करेगी। इसलिए यह आवश्यक है कि मीडिया के सभी अंग समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री योगी सोमवार को गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। सिविल लाइंस स्थित गोरखपुर क्लब सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज पत्रकारिता में विभिन्न प्रकार की चुनौतियां हैं। पत्रकारिता में प्रिंट मीडिया, विजुअल मीडिया, डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के स्वरूप हैं। आज परिवारों में प्रत्येक सदस्य का रूझान मीडिया के अलग अलग रूपों में रहता है। उन्होंने कहा कि आज पत्रकारिता के सभी रूपों को समग्रता के साथ जोड़ने की

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पत्रकारिता को स्वयं को बेलगाम नहीं होने देना है बल्कि पत्रकारिता के मूल्यों व आर्दशों के साथ आगे बढ़ाना है। भारत में 200 वर्ष के पत्रकारिता का मूलभाव राष्ट्र सेवा, समाज सेवा व एक भारत श्रेष्ठ भारत का भाव रहा है। हमें इसी भाव के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज मीडिया में एक ऐसा भी वर्ग है जो समाज को गुमराह करके अशांति फैलाने का कार्य करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी पत्रकारिता ने भारतीय लोकतंत्र को मजबूती दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष हिन्दी पत्रकारिता के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 200 वर्ष पहले हिन्दी पत्रकारिता की शुरूआत 30 मई 1826 को कोलकता से हुई थी। 30 मई 1826 को जुगुल किशोर शुक्ल ने हिन्दी के पहले समाचार पत्र उदंत मार्तण्ड का शुभारम्भ किया था। जब उन्होंने पत्र निकाला तब देश गुलाम था। उन्होंने देश की आजादी के स्वर को तेज करने के लिए पत्रकारिता को माध्यम बनाया था। 200 वर्ष से बिना रूके, शेष पेज 02 पर

टीबी मुक्त समाज की ओर बढ़ता बहराइच

जिले में 6347 मरीजों का चल रहा उपचार, एआई युक्त पोर्टेबल एक्स-रे व आधुनिक मशीनों से तेज़ जांच

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। विश्व स्वास्थ्य दिवस इस वर्ष डबल्यूएचओ की थीम ह्लस्वास्थ्य के लिए एकजुट हों, विज्ञान के साथ खड़े हों पर केंद्रित है। टीबी जैसी गंभीर बीमारी के संदर्भ में यह संदेश विशेष महत्व रखता है। टीबी केवल चिकित्सकीय नहीं, बल्कि पोषण, स्वच्छता, सामाजिक परिस्थितियों और जागरूकता से जुड़ी बहुआयामी जनस्वास्थ्य चुनौती है। विशेषज्ञों के अनुसार स्वास्थ्य सेवाओं के साथ सामाजिक सहयोग का समन्वय ही इसके प्रभावी नियंत्रण की कुंजी है।

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ एमएल वर्मा के अनुसार जिले के सभी सीएचसी और जिला स्तर पर स्थापित 18 सीबीनाट व ट्रूनेट मशीनों से कुछ ही घंटों में टीबी और दवा-प्रतिरोधी टीबी की पहचान संभव हो रही है। प्रतिदिन लगभग 175 संभावित मरीजों की जांच की जा रही है। इसके

अलावा चार एआई आधारित पोर्टेबल एक्स-रे मशीनों से दूरदराज क्षेत्रों तक जांच सुविधा पहुंचाई जा रही है।

वहीं निक्षय पोर्टल के माध्यम से उपचाररत 6347 मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि कोई भी मरीज बीच में इलाज न छोड़े। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एम.एल. वर्मा के अनुसार कुपोषण से रोग-प्रतिरोधक क्षमता घटती है, इसलिए उपचाररत मरीजों को हर महीने 1,000 रुपये की पोषण सहायता दी जा रही है। जिले में अब तक 3193 निक्षय मित्र पंजीकृत हुए हैं, जिनमें से वर्तमान में 1011 मरीजों को गोद लेकर उनके उपचार में सहयोग दिया जा रहा है। इसके अलावा इस वर्ष 56 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त घोषित की गई हैं जिनमें से 14 पंचायतों ने दूसरी बार टीबी मुक्त होने का दर्जा हासिल किया है।

यह पहल टीबी नियंत्रण को सामाजिक सहभागिता का रूप दे रही है। जिले में उपचार पूर्ण कर स्वस्थ हो चुके 432 टीबी चैंपियन ग्रामीण और जोखिम क्षेत्रों में जागरूकता फैलाकर भ्रांतियों और भेदभाव को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनके अनुभव लोगों को समय पर जांच और नियमित दवा लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। डॉ. एम.एल. वर्मा के अनुसार देर से जांच, कुपोषण, सामाजिक कलंक, दवा बीच में छोड़ना और सीमावर्ती क्षेत्रों से पलायन अभी भी प्रमुख चुनौतियाँ हैं। सीएमओ डॉ. संजय कुमार ने कहा कि बेहतर पोषण, स्वच्छता, हवादार आवास, शिक्षा और सामुदायिक सहयोग को 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण के तहत जोड़कर ही टीबी उन्मूलन की दिशा को और मजबूत किया जा सकता है।

आपका बेटा हूं! बेटे की कमी महसूस नहीं होगी : करण भूषण सिंह

प्रभात समय संवाददाता

बहराइच। कैसरगंज संसदीय क्षेत्र के नगर पंचायत कैसरगंज के लदोर में बीते रविवार को सांसद करण भूषण ने समाजसेवी प्रभात सिंह की निधन की खबर पर वह उनके माता-पिता व बच्चों से मिले तथा अत्योंटी में शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की परिवार को ढांढस बंधाते हुए कहा कि मैं भी आपका बेटा जीवन में बेटे की कमी महसूस नहीं होने देंगे यह शब्दों सांसद श्री सिंह ने उस समय कहा जब एक परिवार के सदस्य माता-पिता व बच्चों पर कहर टूट पड़ा था इस दुख की घड़ी में श्री सिंह के साथ प्रतिनिधि सुनील सिंह, रुपेश सिंह जीतू, विवेक कुमार सिंह,अजय सिंह बिसेन,राईश अहमद,राजू ज़ख्मी सहित आदि गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रुद्रपुर पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

देवरिया। पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनन्द कुमार पाण्डेय के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी रुद्रपुर हरिराम यादव के कुशल पर्यवेक्षण में थाना रुद्रपुर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर 04 अप्रैल 2026 को पंजीकृत मु0अ0सं0-158/2026 धारा 65(2) बीएनएस व 5ख़/6 पाक्सो एक्ट से संबंधित नामजद अभियुक्त राधेश्याम उर्फ श्याम निवासी थानाक्षेत्र रुद्रपुर को 06 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त को उसके घर से गिरफ्तार करते हुए नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम प्र0उ0नि0 दिनेश कुमार का0 पवन चौधरी, का0 सुमित राजभर थाना रुद्रपुर शामिल रहे।

सरकारी जमीन पर कब्जे को लेकर प्रशासन सख्त दो पर कार्रवाई

(बहराइच)। तहसील कैसरगंज के ग्राम पंचायत ऐनी हतिन्सी में सरकारी जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन सख्त हो गया है। मामले में दो पक्षों के बीच विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर पुलिस ने शांति भंग की आशंका में कार्रवाई करते हुए राजू उर्फ मुस्तफा एवं मो. नूरूलएन निवासी ऐनी हतिन्सी को हिरासत में लिया है। पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

'यूपी प्रो हैंडबॉल लीग' नौ अप्रैल से, केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होंगे मुकाबले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पहली 'यूपी प्रो हैंडबॉल लीग' का आयोजन नौ से 14 अप्रैल तक लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में किया जाएगा। लीग में कुल 6 टीमें काशी किंग्स, मथुरा ब्रज स्टार, नोएडा ब्लास्टर्स, गाजियाबाद पैंथर्स, बर्बरीक वारियर्स और गोरखपुर राउडीज़ खिताब के लिए भिड़ेंगी। प्रतियोगिता में कुल 15 लीग मुकाबले खेले जाएंगे और हर दिन तीन मैच होंगे। फाइनल मुकाबला 14 अप्रैल को आयोजित होगा। लीग के सीईओ डॉ. आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य हैंडबॉल को पेशेवर मंच प्रदान करना और इसे लोकप्रिय बनाना है। उन्होंने कहा कि लखनऊ इस समय खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। संस्थापक अमित पाण्डेय के अनुसार, मैच 20-20 मिनट के तेज फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिससे खेल में गति और रोमांच दोनों बढ़ेगा। प्रतियोगिता का सीधा प्रसारण दूरदर्शन समेत विभिन्न प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। विजेता टीम को 2 लाख रुपये और उपविजेता को 1 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी।

फार्मर रजिस्ट्री के लिए 15 अप्रैल तक चलेगा विशेष अभियान, ग्राम सचिवालयों में लगेंगे कैंप

लखनऊ। किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और सुगम तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने फार्मर रजिस्ट्री तैयार कराने के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। यह अभियान 15 अप्रैल तक पूरे प्रदेश में संचालित होगा। इसके तहत प्रत्येक ग्राम सचिवालय में कैंप लगाकर किसानों का पंजीकरण कराया जाएगा। सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य अधिक से अधिक किसानों को डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना है, ताकि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना समेत अन्य कृषि योजनाओं का सीधा लाभ मिल सके। अभियान के दौरान ग्राम पंचायत स्तर पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। निर्देश दिए गए हैं कि शिविरों के माध्यम से शेष कृषकों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए और नाम या अन्य विवरणों में मौजूद त्रुटियों का मौके पर ही निराकरण किया जाए। इस कार्य में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव और लेखपालों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। लेखपालों को अपने क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान में ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधियों और कर्मचारियों की अहम भूमिका तय की गई है, ताकि हर पात्र किसान का पंजीकरण सुनिश्चित किया जा सके। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि कैंप के दौरान किसानों को आवश्यक दस्तावेजों की पूरी जानकारी दी जाए और रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया को सरल व त्वरित बनाया जाए। प्रदेश में अब तक 1,72,06,355 किसानों को पीएम किसान योजना के तहत फार्मर रजिस्ट्री से जोड़ा जा चुका है, हालांकि अभी भी बड़ी संख्या में किसान पंजीकरण से वंचित हैं।

काशी का ड्रेनेज सिस्टम सुधारने सड़क पर उतरे महापौर और नगर आयुक्त

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। बरसात के दौरान वाराणसी शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए सोमवार को महापौर अशोक कुमार तिवारी और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने संयुक्त रूप से विभिन्न वार्डों का सघन निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वार्ड संख्या 19 कंदवा, वार्ड 39 सुसुवाही और वार्ड 33 करौंदी में चल रहे नाला सफाई कार्यों की जमीनी हकीकत जानी। महापौर ने मानसून से पहले सभी छोटे-बड़े नालों की तली झाड़-सफाई सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया, ताकि जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

महापौर के नेतृत्व में निरीक्षण चितईपुर से शुरू हुआ, जहां मुख्य मार्ग पर स्थित बड़े नाले के साथ ही गांव के भीतर से गुजरने वाली ड्रेनेज लाइन का निरीक्षण किया गया। इसके बाद निगम की टीम

कंचनपुर पोखरी पहुंची और वहां पूर्व में किए गए वृक्षारोपण की स्थिति का जायजा लिया। विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए महापौर ने मीरानगर एक्सटेंशन में नाले, शिव नगर कॉलोनी में तैयार हो रहे मियावाकी पद्धति के जंगल तथा निर्माणाधीन पार्क का भी अवलोकन किया। अधिकारियों ने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने पर जोर दिया।

इसके बाद अधिकारियों का काफिला चितईपुर से कंदवा मुख्य मार्ग की ओर बढ़ा, जहां सड़क किनारे बनी गहरी नाली की सफाई व्यवस्था देखी गई। सुसुवाही वार्ड के अंतर्गत आनंदपुरम कॉलोनी में नाला सफाई की सुस्त रफ्तार पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विश्वकर्मा नगर में बन रही आरसीसी सड़क और सुसुवाही स्थित वृंदावन पोखरे के सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। महापौर ने कार्यदायी संस्था को तय समयसीमा में काम पूरा करने की हिदायत दी।

खुशी सिंह ने कबड्डी में जीता गोल्ड, रेलवे को दिलाई जीत

प्रभात समय संवाददाता

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के वाणिज्य विभाग में कार्यरत खुशी सिंह ने 19 से 22 मार्च 2026 तक मध्यप्रदेश के सतना में आयोजित 5वीं सीनियर फ़ेडरेशन कबड्डी प्रतियोगिता-2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया।

उन्होंने पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए भारतीय रेलवे की महिला कबड्डी टीम की ओर से खेला। फाइनल मुकाबले में रेलवे टीम ने हरियाणा की टीम को 34-24 से हराकर खिताब अपने नाम किया।

हाल ही में संपन्न हुई इस प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने चैंपियनशिप जीती। प्रतियोगिता के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। इस टूर्नामेंट में मेजबान मध्यप्रदेश सहित 72वीं सीनियर राष्ट्रीय कबड्डी चैंपियनशिप की शीर्ष 8 टीमों ने भाग लिया।

खुशी सिंह की इस उपलब्धि पर मंडल रेल प्रबंधक वाराणसी आशीष जैन, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक एवं क्रीड़ा अधिकारी बलेंद्र पाल तथा वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक राजेश कुमार ने उन्हें बधाई दी है।

1591 दिव्यांगजन व 40 वरिष्ठ नागरिकों को मिले सहायक उपकरण

: प्रभात समय संवाददाता

देवरिया। आईटीआई परिसर में सोमवार को भारत सरकार की एडीआईपी एवं राष्ट्रीय वयोश्री योजना के अंतर्गत आयोजित सामाजिक अधिकारिता शिविर में 1631 दिव्यांगजन व वरिष्ठ नागरिकों को 2.17 करोड़ रुपये की लागत के कुल 2033 सहायक उपकरण वितरित किए गए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्य मंत्री बी.एल. वर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम के अंतर्गत मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल 192, ट्राइसाइकिल 533, व्हीलचेयर 275, हियरिंग एड 514, वॉकिंग स्टिक 354, स्मार्ट केन 109 तथा टीएलएम किट 56 सहित कुल 2033 सहायक उपकरण लाभार्थियों को प्रदान किए गए। ''सबका साथ-सबका विकास'' का संकल्प धरातल परः बी.एल. वर्मा मुख्य अतिथि बी.एल. वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह शिविर सेवा, संवेदना और संकल्प का प्रतीक है तथा दिव्यांगजनों को दया नहीं, बल्कि सम्मान और अधिकार के साथ मुख्यधारा में लाने का कार्य किया जा रहा है।

जनपद के प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि सहायक उपकरण दिव्यांगजनों के जीवन में आत्मनिर्भरता का नया संचार करेंगे। सदर सांसद शशांक मणि त्रिपाठी एवं सलेमपुर सांसद रामशंकर विद्यार्थी ने लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ सीधे पात्र व्यक्तियों तक पहुंच रहा है। इस अवसर पर एमएलसी प्रतिनिधि राजीव मणि, नगरपालिका बरहज की चेयरमैन श्वेता जायसवाल एवं ब्लॉक प्रमुख पथरदेवा सुब्रत शाही सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बताया कि एलिम्को के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु क्यूआर कोड एवं फोटो सत्यापन की व्यवस्था की गई। उन्होंने बताया कि 16 विकास खंडों से बसों के माध्यम से लाभार्थियों को लाया गया, जहां पेयजल, भोजन, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। मुख्य विकास अधिकारी राजेश कुमार सिंह ने विभिन्न विभागों के समन्वय से कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम का सोशल मीडिया पर लाइव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा लाभार्थियों को सहायक उपकरण वितरित किए गए तथा उन्हें माला पहनाकर एवं पुष्प वर्षा कर सम्मानित किया गया। सहायक उपकरण पाकर कई लाभार्थी भावुक नजर आए और उन्होंने सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। उनके चेहरों पर खुशी और आत्मविश्वास स्पष्ट झलक रहा था।

पेज एक का शेष...

जग्गी हत्याकांड में अमित...

दिया गया। ऐसे मामलों में केवल भौतिक साक्ष्यों की कमी के आधार पर आरोपियों को राहत नहीं दी जा सकती, बल्कि पूरे षड्यंत्र की कड़ियों को समझना आवश्यक है। उल्लेखनीय है कि चार जून 2003 को राष्ट्रवादी कांग्रेस (राकांपा) नेता रामावतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस प्रकरण में कुल 31 लोगों को आरोपी बनाया गया था। बल्टू पाठक और सुरेंद्र सिंह बाद में सरकारी गवाह बन गए थे। शेष 28 आरोपियों को सजा मिली थी, जबकि अमित जोगी को ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था। बाद में रामावतार जग्गी के बेटे सतीश जग्गी ने इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी थी। शुरुआती दौर में अमित जोगी को राहत मिली, लेकिन बाद में शीर्ष अदालत ने मामले को पुनर्विचार के लिए हाईकोर्ट भेज दिया। व्यवसाय से जुड़े रामावतार जग्गी, पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ल के करीबी माने जाते थे। कांग्रेस से अलग होकर जब श्री शुक्ल ने राकांपा का रुख किया, तब जग्गी भी उनके साथ जुड़े और उन्हें छत्तीसगढ़ में पार्टी का कोषाध्यक्ष बनाया गया। जग्गी हत्याकांड में अभय गोयल, याहया ढेबर, वीके पांडे, फिरोज सिद्दीकी, राकेश चंद्र त्रिवेदी, अवनीश सिंह लल्लन, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रविंद्र सिंह, रवि सिंह, लल्ला भदौरिया, धर्मेंद्र, सत्येंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर, संजय सिंह कुशवाहा, राकेश कुमार शर्मा, (मृत) विक्रम शर्मा, जबवंत और विश्वनाथ राजभर को दोषी पाया गया था।

यूसीसी और एक...

का निर्माण कराया गया, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया और तीन तलाक जैसी कुप्रथा पर कानून बनाकर रोक लगाई गई। इसके अलावा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और अयोध्या में राम मंदिर निर्माण जैसे निर्णय भी राष्ट्रहित में उठाए गए कदम हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी कार्यों से यह स्पष्ट होता है कि भाजपा केवल वादे नहीं करती, बल्कि उन्हें पूरा भी करती है। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पार्टी का लक्ष्य एक विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना है और इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए भाजपा निस्वार्थ भाव से निरंतर कार्य करती रहेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यकर्ताओं से राष्ट्रसेवा के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा देश की चेतना को नई ऊर्ज़ा और प्रेरणा देने का कार्य करती रहेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा एकमात्र ऐसा राजनीतिक दल है, जहां कार्यकर्ता पार्टी को अपनी 'मां' के रूप में देखते हैं, और इसलिए स्थापना दिवस उनके लिए भावनात्मक महत्व रखता है। उन्होंने देशभर के करोड़ों कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिन पार्टी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जिसने उन्हें राष्ट्रसेवा का अवसर प्रदान किया। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान समय में, जब पांच राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, पार्टी के भीतर नई ऊर्ज़ा और कार्यशैली में बदलाव साफ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने पार्टी की वैचारिक पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया। उन्होंने कहा कि मुखर्जी ने जम्मू-कश्मीर के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उन्होंने कहा कि दशकों तक अनुच्छेद 370 देश की एकता और अखंडता के लिए चुनौती बना रहा और उसे हटाना असंभव माना जाता था, लेकिन भाजपा ने अपने संकल्प को पूरा करते हुए इसे समाप्त किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा शुरू से ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ काम करती रही है और देश की एकता को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को 'वन नेशन, वन टैक्स' का उदाहरण बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से देश को आर्थिक रूप से एकजुट किया गया। साथ ही 'वन नेशन, वन राशन कार्ड', 'वन नेशन, वन ग्रिड' जैसी पहलों ने भी राष्ट्रीय एकीकरण को मजबूती दी है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा की सफलता के पीछे लाखों कार्यकर्ताओं का त्याग, तपस्या और समर्पण है। उन्होंने कहा कि यह वही समझ सकता है, जिसने पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के लिए स्वयं को समर्पित किया हो। उन्होंने संगठन में लगातार आ रहे बदलाव और नई कार्यशैली की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भाजपा को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से प्रेरणा मिली, जिसने साफ नीयत और सुचिता के साथ राजनीति में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाया। समय के साथ भाजपा ने खुद को एक मजबूत कैडर आधारित पार्टी के रूप में स्थापित किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने हमेशा जनता के मुद्दों को प्राथमिकता दी और हर चुनौती का सामना किया। उन्होंने आपातकाल और पूर्ववर्ती सरकारों के दौरान हुए दमन का उल्लेख करते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं ने कठिन परिस्थितियों में भी संघर्ष जारी रखा। उन्होंने यह भी कहा कि कई कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां राजनीतिक हिंसा देखने को मिली। उन्होंने कहा कि भाजपा के उदय के साथ भारतीय राजनीति में सेवा आधारित राजनीति को नई पहचान मिली है। 'राष्ट्र प्रथम' का सिद्धांत आज पार्टी की पहचान बन चुका है और इसी आधार पर भाजपा आगे बढ़ रही है। गठबंधन राजनीति पर प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने देशहित को प्राथमिकता देते हुए एक नई परंपरा स्थापित की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने गठबंधन की राजनीति को केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र के लक्ष्यों को प्राप्त करने का साधन बनाया है।

45-दिनों के संभावित...

जाएगी। सूत्रों ने कहा कि यदि पक्षों को बातचीत के लिए अधिक समय की आवश्यकता होती है, तो इस युद्धविराम को बढ़ाया भी जा सकता है। दूसरे चरण में युद्ध को समाप्त करने के लिए एक समझौते को अंतिम रूप देना शामिल है। एक्सियोस ने सूत्रों के हवाले से कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह से खोलने और ईरान के पास अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम होने जैसे मुद्दों को केवल एक अंतिम समझौते के हिस्से के रूप में ही सुलझाया जा सकता है। इसके अलावा मध्यस्थ अमेरिका के लिए विश्वास-बहाली के उपायों पर काम कर रहे हैं और उन कदमों की तलाश कर रहे हैं जिन्हें अमेरिका ईरान की कुछ मांगों को पूरा करने के लिए उठा सकता है। उधर, श्री ट्रंप ने रविवार को कहा कि अमेरिका ईरान के साथ बातचीत कर रहा है और मंगलवार तक कोई समझौता हो सकता है। उन्होंने पहले कहा था कि अमेरिका और ईरान के बीच सार्थक बातचीत हुई है। वहीं, ईरान के विदेश मंत्रालय ने सीधे बातचीत से इनकार कर दिया था, लेकिन कहा था कि ईरान को मध्यस्थों के ज़रिए अमेरिका की ओर से संदेश मिले हैं कि वह संघर्ष को खत्म करने के लिए बातचीत शुरू करना चाहता है। गौरतलब है कि अमेरिका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान में कई ठिकानों पर हमले शुरू किये थे, जिसमें तेहरान भी शामिल है। वहीं जवाबी कार्रवाई में ईरान इज़रायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले कर रहा है।

इमर्जिंग टेक्नोलॉजी...

बिना थके, बिना डिगे पत्रकारिता की शानदार यात्रा आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की स्थापना 1998 में हुई। इसमें शामिल सदस्यों को तत्कालीन मुख्यमंत्री कल्याण सिंह का सानिध्य प्राप्त था। विगत वर्ष भी गोरखपुर प्रेस क्लब के सदस्यों को शपथ समारोह में शामिल होने का मुझे सौभाग्य प्राप्त हुआ था। गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की स्थापना में, अध्यक्ष के रूप में एसपी त्रिपाठी तथा सचिव के रूप में अरविन्द शुक्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया था।

दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य संभव: ए.के. शर्मा

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि उनका शिक्षा क्षेत्र से गहरा जुड़ाव रहा है और फ़ेस्टिवल जैसे आयोजनों से बच्चों को नई दिशा मिलती है। उन्होंने कहा कि यदि शिक्षक समर्पण के साथ मार्गदर्शन करें, तो विद्यार्थी किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से बच्चों को निरंतर मेहनत करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।

सोमवार को सिटी मॉन्टेसरी स्कूल (सीएमएस), कानपुर रोड परिसर में चिल्ड्रन फिल्म फ़ेस्टिवल का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। वहीं, फ़ेस्टिवल का उद्घाटन प्रख्यात शिक्षाविद प्रोफ़ेसर गीता गांधी किंगडन ने किया और आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में नगर विकास मंत्री ने स्वच्छता, ऊर्जा संरक्षण और नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने छात्रों से अपने घरों में सोलर ऊर्जा अपनाने का आह्वान किया और कहा कि स्वच्छता अब जनआंदोलन बन चुकी है। उन्होंने बताया कि लखनऊ स्वच्छता रैंकिंग में इस वर्ष तीसरे स्थान पर रहा है और सामूहिक प्रयासों से इसे पहले स्थान तक पहुंचाया जा सकता है।

इस दौरान कार्यक्रम में मुंबई से आईं प्रसिद्ध सिंगर जनाई भोसले और उनके सहयोगी चरनजीत सिंह की उपस्थिति ने आकर्षण बढ़ाया। सांस्कृतिक माहौल के बीच बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला।

गौरतलब है कि यह फिल्म फ़ेस्टिवल एक सप्ताह तक चलेगा, जिसमें देश-विदेश से प्राप्त लगभग 3000 से 3500 फिल्मों में से चयनित 250 से 300 उत्कृष्ट फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों के दृष्टिकोण को व्यापक बनाना और उन्हें वैश्विक विषयों से जोड़ना है।

जिलाधिकारी ने पीसीएफ संस्था के गेहूँ क्रय केंद्र बी. पैक्स मलौली का किया निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। रबी विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत मूल्य समर्थन योजना के तहत जनपद लखनऊ के अंतर्गत कुल 43 गेहूं क्रय केंद्र स्थापित है। जिलाधिकारी लखनऊ, विशाख जी द्वारा आज जनपद में संचालित पीसीएफ संस्था के गेहूँ क्रय केंद्र बी0 पैक्स मलौली का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान केंद्र प्रभारी उपस्थित पाए गए। केंद्र पर किसानों के बैठने एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था उपलब्ध थी। साथ ही नमी मापक यंत्र सहित गेहूँ क्रय से संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। केंद्र पर स्थापित इलेक्ट्रॉनिक कांटा सत्यापित पाया गया। किसानों की सुविधा के दृष्टिगत केंद्र पर 02 गांठ बोरे (1000 बोरे) की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गई है। वर्तमान में जनपद में कुल 170.00 कुंतल गेहूँ की खरीद की गई है। विगत वर्ष बी0 पैक्स मलौली केंद्र पर 22 किसानों से 541.00 कुंतल गेहूँ क्रय किया गया था। केंद्र प्रभारी द्वारा अवगत कराया गया कि अप्रैल माह के द्वितीय सप्ताह से गेहूँ की आवक में तेजी आने की संभावना है। विगत रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जनपद में 1116 किसानों से कुल 32538.24 कुंतल गेहूँ की खरीद की गई थी। जनपद में गेहूँ क्रय योजना दिनांक 30 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 15 जून 2026 तक संचालित होगी। कुल 43 गेहूँ क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से गेहूँ की खरीद की जाएगी। सभी केंद्र प्रतिदिन प्रातः 09:00 बजे से सायं 06:00 बजे तक संचालित रहेंगे।

निर्माणाधीन हॉस्टल से लाखों के बिजली तार चोरी

बख्शी का तालाब, लखनऊ। बख्शी का तालाब थाना क्षेत्र अंतर्गत भैंसामऊ क्रॉसिंग स्थित एपेक्स हॉस्पिटल के पास निर्माणाधीन हॉस्टल से अज्ञात चोरों द्वारा विद्युत वायरिंग के तार चोरी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित जितेंद्र दीक्षित ने बताया कि वह उक्त स्थान पर हॉस्टल का निर्माण कार्य करवा रहे हैं। रविवार की रात्रि अज्ञात चोर निर्माणाधीन हॉस्टल में घुस गए और वहां लगी विद्युत वायरिंग के कीमती तार चोरी कर ले गए।पीड़ित के अनुसार चोरी हुए विद्युत तारों की कीमत करीब 5 लाख रुपये है। सुबह जब मजदूर काम करने पहुंचे तो घटना की जानकारी हुई, जिसके बाद पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।इस घटना से क्षेत्र में निर्माण स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

भाजपा महानगर उपाध्यक्ष जीडी शुक्ला के आवास पर संपन्न हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के लखनऊ महानगर उपाध्यक्ष जी डी शुक्ला के महानगर लखनऊ स्थित आवास पर आयोजित हुआ कार्यकर्ता सम्मेलन। कार्यकर्ता सम्मेलन में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा का माल्यार्पण करके जीडी शुक्ला एवं सभी कार्यकर्ताओं द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने सहभागिता करके बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ने जी डी शुक्ला को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सदस्य विधान परिषद संतोष सिंह, भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता संजय चौधरी, पूर्व दर्ज़ा प्राप्त राज्य मंत्री सुधाकर त्रिपाठी, दीनदयाल उपाध्याय सेवा प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रवीण मिश्रा, श्रीमती सीता नेगी, दिगंत शुक्ला, पत्रकार नैमिष पांडेय के साथ सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जमीन पर कब्जे का विरोध करने पर युवक की पिटाई

नगराम, लखनऊ। थाना क्षेत्र के असली गढ़ी गांव में जमीन पर कब्जा करने के प्रयास का विरोध करना युवक को भारी पड़ गया। दबंग पड़ोसियों ने गाली-गलौज करते हुए युवक की लाठी-डंडों और लात-घूसों से जमकर पिटाई कर दी, जबकि बीच-बचाव करने पहुंची महिला को भी नहीं बख्शा गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। पीड़ित बीरेंद्र उर्फ राबेश के अनुसार, गांव में उसकी खाली पड़ी जमीन पर रविवार शाम सुरेश सिंह अपने बेटों जितेंद्र और महेंद्र तथा पत्नी बिंदेश्वरी के साथ कूड़ा-करकट डालकर और गाय बांधकर कब्जा करने का प्रयास कर रहा था। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और लाठी-डंडों व लात-घूसों से हमला कर दिया। इस दौरान बीच-बचाव करने पहुंची परिवार की महिला ज्ञानवती को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया। थानाध्यक्ष नगराम विवेक कुमार चौधरी ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नियमों को खुली चुनौती, सील के बाद भी जारी अवैध निर्माण

लखनऊ। राजधानी में अवैध निर्माण पर रोक लगाने के दावे लगातार किए जा रहे हैं, लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे अलग नजर आ रही है। लखनऊ विकास प्राधिकरण के ज़ोन-2 क्षेत्र से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसने व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। आशियाना थाना क्षेत्र स्थित एलडीए सेक्टर-एच में नेशनल फार्मेसी के सामने कथित रूप से अवैध निर्माण जारी है। जानकारी के अनुसार, इस निर्माण को एलडीए द्वारा पहले ही सील किया जा चुका था, लेकिन इसके बावजूद निर्माण गतिविधियां रुकने के बजाय जारी बताई जा रही हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि मौके पर समय-समय पर निर्माण कार्य होते देखा गया है, जिससे नियमों की अनदेखी की आशंका और गहरी हो गई है। आरोप है कि संबंधित अवर अभियंता इस मामले में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन नहीं कर रहे हैं, जिसके चलते निर्माण को अप्रत्यक्ष रूप से छूट मिलती नजर आ रही है।हालांकि, इस मामले में अब तक कोई अधिकारी खुलकर सामने नहीं आया है। क्षेत्रीय निवासियों में इसको लेकर नाराज़गी है और उनका मानना है कि यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो ऐसे मामलों को बढ़ावा मिल सकता है। अब देखने वाली बात यह होगी कि एलडीए के उच्च अधिकारी इस प्रकरण को कितनी गंभीरता से लेते हैं और क्या वास्तव में नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा, या फिर मामला यूं ही अनदेखा रह जाएगा।

14 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

नगराम, लखनऊ। थाना क्षेत्र से 14 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों ने एक युवक पर शादी का झांसा देकर बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों के अनुसार, किशोरी 4 अप्रैल 2026 को सुबह करीब 10 बजे घर से निकली थी और वापस नहीं लौटी। बाद में परिजनों को शक है कि रोहित नाम के एक युवक ने उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया है। परिवार ने थाने में तहरीर देकर किशोरी की सकुशल बरामदगी और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में नगराम थाना प्रभारी विवेक चौधरी ने बताया कि तहरीर के मुताबिक संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर किशोरी की तलाश के लिये कई टीमे लगाई गई है। टीमों ने अपना काम भी शुरू कर दिया है शीघ्र ही इनकी जानकारी प्राप्त होगी।

आंगनवाड़ी हेल्पर भर्ती में अनियमितता का आरोप, एसडीएम को सौंपा शिकायती पत्र

बख्शी का तालाब, लखनऊ। आंगनवाड़ी हेल्पर भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर वार्ड संख्या 09 भैंसामऊ, नगर पंचायत गाजीपुर की एक अभ्यर्थी ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर जांच की मांग की है। शिकायतकर्ता मीनू देवी ने आरोप लगाया है कि वर्ष 2025-26 की आंगनवाड़ी हेल्पर भर्ती में पात्रता पूरी करने के बावजूद उनका चयन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि नियमानुसार आवेदन करने और सभी शर्तें पूरी करने के बाद भी उन्हें नजरअंदाज किया गया।शिकायती पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि स्थानीय स्तर पर मिलीभगत कर पैसे लेकर अपात्र अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर दिलवाए गए। आरोप है कि आंगनवाड़ी सहायिका व अन्य लोगों की संलिप्तता से साजिया नामक अभ्यर्थी को अनुचित तरीके से चयनित कराया गया।इसके अलावा एक अन्य आरोप में कहा गया है कि वर्तमान आंगनवाड़ी सहायिका द्वारा अपनी विवाहित पुत्री को नियमों के विरुद्ध ऑफर लेटर दिलवा दिया गया, जबकि चयन प्रक्रिया में स्थानीय एवं पात्र अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए।पीड़िता ने एसडीएम से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा पात्र अभ्यर्थियों को न्याय दिलाने की मांग की है।

बिना नोटिस एलडीए की कार्रवाई से हड़कंप, विरोध पर रुकी

प्रभात समय संवाददाता

चिनहट, लखनऊ । चिनहट क्षेत्र के बबुरिहा गांव में सोमवार दोपहर करीब 2 बजे उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब लखनऊ विकास प्राधिकरण की टीम बिना किसी पूर्व सूचना के किसानों के घरों पर कार्रवाई करने पहुंच गई। अचानक हुई इस कार्रवाई से गांव में दहशत का माहौल बन गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि इंजीनियर राहुल विश्वकर्मा की निगरानी में पहुंची टीम ने किसानों के निजी खेतों में बने मकानों को गिराना शुरू कर दिया। इस दौरान पीड़ित राजकुमार, विमल कुमार और सुमित्रा के घरों को निशाना बनाया गया। मकान गिराए जाने से परिवार के लोग, खासकर बच्चे, बेहद परेशान और भयभीत हो गए।बताया जा रहा है कि जैसे ही सुमित्रा को अपने घर पर हो रही कार्रवाई की जानकारी मिली, वह तुरंत मौके पर पहुंचीं और विरोध जताने लगीं। हालांकि, मौके पर मौजूद टीम ने उनकी बात नहीं सुनी और कार्रवाई जारी रखी।घटना की सूचना मिलते ही गांव में आक्रोश फैल गया और कई ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। ग्रामीणों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया और कार्रवाई को तत्काल रोकने की मांग की। बढ़ते विरोध और तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए खद्भ की टीम को आखिरकार अपनी कार्रवाई बीच में ही रोकनी पड़ी और दल-बल के साथ वापस लौटना पड़ा।ग्रामीणों ने बिना नोटिस इस तरह की कार्रवाई को गलत बताते हुए प्रशासन से न्याय की मांग की है।

लखनऊ नगर निगम के खिलाफ सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने दिया धरना

प्रभात समय संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मेहरोत्रा सोमवार को अपने पार्षदों और पार्टी नेताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने घेराव कर धरना-प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा नेताओं ने नगर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई।

विधायक रविदास मेहरोत्रा ने आरोप लगाया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से पानी, सड़क और साफ-सफाई की गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं, लेकिन नगर निगम इन पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि कई इलाकों में लोगों को पीने का पानी नहीं मिल रहा, जबकि जल कर में बढ़ोतरी कर दी गई है। जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हैं, जिससे बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाने की बात की गई थी, लेकिन यहां स्मार्ट टैक्स लगाए जा रहे हैं। प्रदर्शन में शामिल सपा पार्षद लता जायसवाल ने आरोप लगाया कि सरकार भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है और सपा पार्षदों को पर्याप्त बजट नहीं दिया जा रहा। उन्होंने कहा कि उनके क्षेत्रों में पानी की भारी समस्या है, नालियां जाम हैं और सबमर्सिबल खराब पड़े हैं। वहीं पार्षद शबनम खान ने कहा कि सपा पार्षदों के वार्डों में विकास कार्य पूरी तरह ठप हैं। उन्होंने दावा किया कि पार्षद निधि मिलने की बात केवल कागजों तक सीमित है और वास्तविकता में निधि उपलब्ध नहीं कराई जाती। इस दौरान विधायक और पार्षदों ने नगर निगम के सामने 11 सूत्रीय मांगें रखीं। इनमें खुले नालों को ढकने, जर्जर सड़कों की मरम्मत, खराब पानी टंकियों और ट्यूबवेल को ठीक कराने, स्ट्रीट लाइट लगाने, सीवर समस्या दूर करने और सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने जैसी मांगें शामिल हैं।

पुरानी रंजिश का खूनी खेल, ईंट-पत्थरों से भाई-बहन पर जानलेवा हमला

❒ दो आरोपी गिरफ्तार, भेजे गये जेल

प्रभात समय संवाददाता

निगोहाँ, लखनऊ। निगोहाँ थाना क्षेत्र के उतरावां गांव के मजरा पड़रिया में पुरानी रंजिश को लेकर दबंगों ने भाई-बहन पर जानलेवा हमला कर दिया। ईंट-पत्थर, डंडों और घूंसों से किए गए हमले में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। पीड़िता डॉली की तहरीर के अनुसार रविवार शाम पड़ोस में रहने वाले राम प्रताप, सुरेश, अतुल, सजीवन और राजपाल गाली-गलौज करते हुए घर पहुंचे और अचानक हमला कर दिया। हमलावरों ने ईंट-पत्थरों और डंडों से ताबड़तोड़ प्रहार किए। बीच-बचाव करने पहुंचे भाई सुधीर पाल और भाभी प्रमिला देवी को भी मारपीट कर घायल कर दिया गया।? हमले में डॉली और सुधीर पाल गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें तत्काल पीजीआई ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। परिजनों का आरोप है कि आरोपी लगातार जान से मारने की धमकी दे रहे हैं, जिससे परिवार दहशत में है। ग्रामीणों के मुताबिक मुख्य आरोपी राम प्रताप लकड़ी का ठेकेदार है और क्षेत्र में उसकी दबंग छवि पहले से ही बनी हुई है। थाना प्रभारी अनुज तिवारी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को जेल भेज दिया गया है और बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है।

शिक्षा को बोझ नहीं, अधिकार बनाएं: एनसीईआरटी अनिवार्य व मनमानी फीस पर रोक की मांग

प्रभात समय संवाददाता

बख्शी का तालाब, लखनऊ । शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते आर्थिक बोझ के विरोध में सोमवार को भारतीय किसान मजदूर जन सेवा यूनियन के पदाधिकारियों ने तहसील बख्शी का तालाब पहुंचकर उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से संगठन ने NCERT/SCERT की पुस्तकों को सभी स्कूलों में अनिवार्य करने, मनमानी फीस वसूली पर रोक लगाने तथा अभिभावकों को राहत देने की मांग उठाई। यूनियन के प्रदेश प्रभारी चन्द्रपाल यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि शिक्षा बच्चों का अधिकार है, लेकिन निजी स्कूलों की मनमानी के कारण यह अभिभावकों के लिए आर्थिक बोझ बनती जा रही है। कई विद्यालय निजी प्रकाशकों की महंगी पुस्तकें खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य करते हैं, जिस पर रोक लगाई जानी चाहिए और सभी स्कूलों में केवल गएक्टट्ठ/टट्टएक्टट्ठ की स्वीकृत पुस्तकें ही लागू की जाएं।ज्ञापन में यह भी कहा गया कि हर वर्ष पाठ्यक्रम और पुस्तकें बदलने से अभिभावकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसलिए टट्टएक्टट्ठ द्वारा एक स्थिर एकेडमिक कैलेंडर घोषित किया जाए और बार-बार कोर्स बदलने की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए।संगठन ने मांग की कि प्रत्येक सत्र में री-एडमिशन (पुनः प्रवेश) के नाम पर ली जाने वाली फीस को तत्काल बंद कराया जाए तथा पूर्व में वसूली गई फीस वापस कराई जाए। इसके अलावा गतिविधि शुल्क, विकास शुल्क, परीक्षा शुल्क आदि के नाम पर ली जाने वाली अतिरिक्त व अघोषित फीसों पर रोक लगाने और सभी स्कूलों की फीस सूची सार्वजनिक करने की भी मांग की गई।ज्ञापन में यह भी मांग उठाई गई कि स्कूलों द्वारा निर्धारित दुकानों से ही पुस्तकें और ड्रेस खरीदने की बाध्यता समाप्त की जाए, ताकि अभिभावक अपनी सुविधा और बजट के अनुसार कहीं से भी पुस्तक व ड्रेस खरीद सकें।अंत में उपजिलाधिकारी से अनुरोध किया गया कि उक्त ज्ञापन को माननीय शिक्षा मंत्री को प्रेषित कर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए, जिससे अभिभावकों को राहत मिल सके।

भाजपा के मूल में राष्ट्रप्रथम और 'अंत्योदय': डॉ. राजेश्वर सिंह

प्रभात समय संवाददाता

❒ अंत्योदय से राष्ट्रोदय तक– भाजपा के 47वें स्थापना दिवस पर सेवा और सुशासन का संकल्प

❒ भाजपा स्थापना दिवसः डॉ. राजेश्वर सिंह ने गिनाए वर्षों के ऐतिहासिक योगदान

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के 47वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सरोजनी नगर दक्षिण-2 (मुराइन खेड़ा, बंगला बाजार) स्थित मंडल कार्यालय में एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

इस अवसर पर मंडल कार्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराया गया तथा संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों एवं जनसंपर्क अभियानों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथमङ्क की विचारधारा का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि पार्टी की 47 वर्षों की गौरवशाली यात्रा केवल नीतियों तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक वैचारिक धारा है जिसने भारत की दिशा और दशा दोनों को बदलने का कार्य किया है।उन्होंने कहा, ङ्खराजनीति केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम नहीं होती–यह राष्ट्र निर्माण का संकल्प होती है।

डॉ. सिंह ने भाजपा के प्रमुख ऐतिहासिक योगदानों का उल्लेख करते हुए कहा कि– मजबूत और निर्णायक नेतृत्वःअटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में भारत ने परमाणु शक्ति के रूप में अपनी पहचान बनाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 और 35(इ) का हटना, तीन तलाक कानून तथा सर्जिकल और एयर स्ट्राइक जैसे निर्णयों ने भारत को सशक्त और निर्णायक राष्ट्र बनाया। आर्थिक परिवर्तनः जीएसटी के माध्यम से 'वन नेशन, वन टैक्स', ठ्ठक्र के जरिए डिजिटल क्रांति और बढ़ते विदेशी निवेश ने भारत को विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित किया है।

अभूतपूर्व इंफ्रास्ट्रक्चर विकासःराष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, वंदे भारत ट्रेनों का संचालन, आधुनिक एक्सप्रेसवे और हवाई अड्डों का निर्माण देश की प्रगति को नई गति दे रहा है।गरीब कल्याण और सामाजिक समावेशनः प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का कार्य किया है–यही अंत्योदय का सच्चा स्वरूप है। वैश्विक मंच पर बढ़ती प्रतिष्ठाःक्क20 की सफल अध्यक्षता, 'वैक्सीन मैत्री', अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और 'ग्लोबल साउथ' की आवाज के रूप में भारत की भूमिका ने देश की वैश्विक पहचान को सशक्त किया है।उन्होंने कहा कि आज का भारत आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और विश्व का नेतृत्व करने के लिए तैयार है।कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं का उत्साह और समर्पण संगठन की मजबूत जड़ों और सेवा भाव की व्यापकता को दर्शाता है। यही ऊर्जा भाजपा को विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बनाती है।इस अवसर पर विनोद मौर्य (मंडल अध्यक्ष, सरोजनी नगर दक्षिण द्वितीय), उमेश तिवारी, गंगा राम अम्बेडकर, रमाशंकर त्रिपाठी, श्याम जी, कर्नल दया शंकर दुबे, सत्यम शुक्ला, के. एन. सिंह (पार्षद), कमलेश सिंह जी (पार्षद), हिमांशु अम्बेडकर (पार्षद), शिव प्रकाश मिश्रा, नेहा सिंह (पार्षद), अतुल टंडन, मनीष शुक्ला एवं नागेंद्र प्रताप सिंह सहित समस्त मंडल पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।अंत में डॉ. राजेश्वर सिंह ने सभी कार्यकर्ताओं और नागरिकों से आह्वान किया कि स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर 'राष्ट्र प्रथम, सेवा सर्वोपरि' के मंत्र को अपनाते हुए भारत को और अधिक सशक्त बनाने में अपना योगदान दें तथा सेवा, समर्पण और सुशासन के मार्ग पर निरंतर अग्रसर रहें।

अमेरिका-चीन के वर्चस्व को चुनौती

इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता संघर्ष अब वैश्विक भू-राजनीति में गहरी दरारें पैदा कर रहा है। यूरोपीय संघ (ईयू) और जापान ने पश्चिम एशिया में हो रहे इस संघर्ष में शामिल होने से इनकार कर दिया है, खासतौर पर होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री मार्गों की सुरक्षा के मुद्दे पर जहां ईरान ने कुछ देशों के लिए पाबंदी लगा रखी है। ऐसे समय में निश्चित रूप से मध्यम स्तर की शक्तियों के एक नए गठबंधन के निर्माण का अवसर सामने है जिसमें भारत अहम भूमिका निभा सकता है। भारत जैसे देश इस गठबंधन का नेतृत्व करते हुए वैश्विक संस्थाओं में सुधार की दिशा में पहल कर सकते हैं। इनमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और विश्व व्यापार संगठन जैसी प्रमुख संस्थाएं शामिल हैं। दूसरी ओर, अमेरिका ने 60 से अधिक वैश्विक संगठनों से खुद को अलग करके स्थिति को और जटिल बना दिया है। वहीं, चीन भले ही खुद को मुक्त व्यापार का समर्थक बताता हो लेकिन वह अपने दुर्लभ खनिज संसाधनों के एकाधिकार का इस्तेमाल कर दुनिया पर दबाव बना रहा है और विभिन्न बाजारों में सस्ते सामान की भरमार कर वैश्विक निर्माताओं को नुकसान पहुंचा रहा है। जहां एक ओर अमेरिका अपने व्यापार घाटे को कम करने के लिए आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ा रहा है (हालांकि अमेरिका के उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के कारण इन्हें फिलहाल अस्थायी रूप से रोक दिया गया है), वहीं दूसरी ओर चीन ने 2025 में 1.2 लाख करोड़ डॉलर का अब तक का सबसे बड़ा व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। ऐसे में केवल ये दो बड़ी शक्तियां (अमेरिका और चीन) मिलकर भी एक स्थिर और नियम आधारित भविष्य की गारंटी नहीं दे सकतीं। इसी वजह से, मध्यम शक्तियों के एक गठबंधन की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो गई है जो पुराने वैश्विक संस्थानों में सुधार की मांग करते हुए एक अधिक न्यायपूर्ण वैश्विक व्यवस्था बनाने की दिशा में काम कर सके। इस नए गठबंधन को हम 'आर7' नाम दे सकते हैं, जहां 'आर' का अर्थ है सुधार और '7' उन सात प्रमुख मध्यम शक्तियों को दर्शाता है जिनकी बदलाव में गहरी दिलचस्पी है। इस आर7 के शुरुआती सदस्य भारत, जर्मनी, जापान, इंडोनेशिया, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा हो सकते हैं। हालांकि, इसे आगे बढ़ाकर आर10 या आर12 भी बनाया जा सकता है, जिसमें यूरोप, लातिन अमेरिका, अफ्रीका और एशिया की अन्य मध्यम शक्तियों को शामिल किया जा सकता है। यह आर7 समूह लगभग 2.2 अरब लोगों का प्रतिनिधित्व करेगा, जो दुनिया की कुल आबादी के एक-चौथाई से भी अधिक है। अगर यूरोपीय संघ भी औपचारिक रूप से आर7+ का हिस्सा बन जाता है तब यह सुधार समर्थक समूह, दुनिया की लगभग 35 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करेगा। आर7 का उद्देश्य किसी सीमित समूह का निर्माण करना नहीं है बल्कि वैश्विक और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार का नेतृत्व करना है। जैसे-जैसे शुरुआती विचार और नीतियां स्पष्ट होंगी, इस समूह में अन्य देशों को भी शामिल किया जा सकता है। शुरुआत में समूह को छोटा रखना इसलिए जरूरी है ताकि सुधारों के लिए एक व्यापक लक्ष्य और स्पष्ट सिद्धांत तय किए जा सकें। इस गठबंधन के शुरुआती चरण में अमेरिका, चीन और रूस जैसी महाशक्तियों को बाहर रखा जा सकता है जब तक कि वे सुधारवादी एजेंडे के साथ जुड़ने की इच्छा न दिखाएं। यह भी संभव है कि ये देश आर7 को कमजोर करने की कोशिश करें और उसके कुछ सदस्यों पर दबाव डालें कि वे इस पहल से बाहर हो जाएं। संयुक्त राष्ट्र के पुराने स्थायी सदस्य, ब्रिटेन और फ्रांस को भी बाद में शामिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए उन्हें 1940 के दशक के अंत में बनी संस्थाओं में सुधार करने की प्रतिबद्धता दिखानी होगी। इसका मतलब यह भी होगा कि उन्हें अपने विशेष और अधिक अधिकारों में कटौती करनी पड़ेगी। सुधारों की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से की जा सकती है। इसके लिए जी4 देशों, जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील द्वारा दिया गया प्रस्ताव एक महत्त्वपूर्ण आधार हो सकता है, जिसमें सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों की संख्या मौजूदा पांच से बढ़ाकर 11 करने की बात कही गई है। एक महत्त्वपूर्ण सुधार यह होना चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों के वीटो अधिकार को समाप्त किया जाए। महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों पर मतदान किसी एक देश की शक्ति के बजाय आबादी, आर्थिक आकार और संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में योगदान जैसे मानकों के आधार पर अनुपातिक तरीके से किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, किसी भी देश पर एकतरफा हमला या आक्रमण चाहे उसके पीछे मानवाधिकार या कोई नैतिक कारण ही क्यों न बताया जाए, उसे नई नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था में अवैध माना जाना चाहिए। विश्व व्यापार संगठन के संदर्भ में भी नए नियम केवल निष्पक्ष व्यापार तक सीमित नहीं रहने चाहिए बल्कि उनके परिणामों की समय-समय पर समीक्षा भी जरूरी होनी चाहिए। यदि किसी देश को लगातार व्यापार घाटा या अधिशेष का सामना करना पड़ रहा है तो उसे इस असंतुलन को दूर करने के लिए प्रोत्साहित या बाध्य किया जाना चाहिए। दरअसल, व्यापार में हमेशा कुछ देश जीतते हैं और कुछ हारते हैं। ऐसे में, नियमों और नियमित समीक्षा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना होना चाहिए कि इसके परिणाम लंबे समय तक असंतुलित या नुकसान पहुंचाने वाले न बने रहें। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाएं केवल पी5 देशों या अमेरिका और चीन की स्थायी संरक्षक नहीं रहनी चाहिए। यही बात संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष पदों और डब्ल्यूटीओ जैसे संगठनों के प्रमुख पदों पर भी लागू होती है कि इन पर सभी देशों को समान अवसर मिलना चाहिए। नई वैश्विक व्यवस्था के लिए एक चौथा और शायद अधिक विवादास्पद सिद्धांत यह होना चाहिए कि किसी एक तरह के ऐतिहासिक अनुभव या सांस्कृतिक पसंद के आधार पर नैतिक मानदंड थोपने से बचा जाए। उदाहरण के तौर पर लोकतंत्र कुछ देशों के लिए एक साझा मूल्य हो सकता है लेकिन अगर कोई देश लोकतांत्रिक नहीं है तो सिर्फ इसी आधार पर उसे नियम आधारित व्यवस्था का विरोधी नहीं माना जाना चाहिए। हर देश को अपने तरीके से विकसित होने का अधिकार होना चाहिए भले ही वह रास्ता दूसरे देशों को अल्पकालिक स्तर पर या मध्यम अवधि में स्वीकार्य न हो। इसी तरह, धार्मिक स्वतंत्रता को केवल ईसाई या पैगंबर इब्राहिम की परंपराओं के आधार पर परिभाषित नहीं किया जाना चाहिए। इसे समझने के अन्य तरीके भी हो सकते हैं और इसकी मौजूदगी या अनुपस्थिति को संयुक्त राष्ट्र के किसी सदस्य देश के साथ भेदभाव का आधार नहीं बनाना चाहिए।

जनकल्याण की धारा में बहता नया भारत

तकनीक के उपयोग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से सरकार ने योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया है। जनसहभागिता के माध्यम से इन योजनाओं को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है, जिससे उनकी सफलता और प्रभावशीलता दोनों में वृद्धि हुई है। अतः आज इस संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी को उसके स्थापना समय से लेकर अब तक यदि समग्र रूप से याद किया जाए तो कहना यही होगा कि भाजपा सरकार की योजनाएं सिर्फ विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं रही हैं, वे समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने का माध्यम बनी हैं। ये योजनाएं एक ऐसे भारत की नींव रख रही हैं, जोकि आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त है। अंत्योदय की भावना से प्रेरित यह विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है, जिसमें लक्ष्य आर्थिक उन्नति के साथ ही सामाजिक न्याय और सभी के लिए समान अवसर हैं।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारतीय लोकतंत्र के व्यापक और जीवंत परिदृश्य में भारतीय जनता पार्टी अपने वैचारिक मूल्यों, विशेष तौर पर अंत्योदय, सुशासन और 'राष्ट्र प्रथम' को व्यवहार में उतारते हुए जनकल्याण की एक निरंतर प्रवाहित धारा के रूप में जानी जाती है। वर्ष 2014 के बाद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार तथा विभिन्न राज्यों में भाजपा सरकारों ने शासन की कार्यशैली को मूलतः परिवर्तित किया है। विकास अब योजनाओं की घोषणा से आगे परिणाम आधारित प्रशासन का पर्याय बन चुका है, जिसका प्रभाव देश के सामाजिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक ढांचे पर स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। यदि आज देश के विभिन्न हिस्सों का अवलोकन करें तो यही दिखाई देता है कि भाजपा की शासन प्रणाली का केंद्र बिंदु समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की पहुंच सुनिश्चित करना है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने जिस 'अंत्योदय' की अवधारणा प्रस्तुत की थी, वह आज मूर्त रूप में दिखाई देती है। इसी उद्देश्य से प्रारंभ की गई प्रधानमंत्री जनधन योजना ने वित्तीय समावेशन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की है। वर्ष 2025-26 तक इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में जमा राशि दो लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। आज यह पहल सिर्फ बैंकिंग सुविधा तक सीमित न होकर इसने गरीबों को आर्थिक मुख्यधारा में लाने का कार्य किया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से अब तक 35 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। कहना होगा कि इससे पारदर्शिता और जवाबदेही में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। गरीब कल्याण की दिशा में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों ने समाज के वंचित वर्गों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन लाया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 2026 तक 10 करोड़ से अधिक एलपीजी कनेक्शन वितरित किए जा चुके हैं (स्रोतः पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय, 2026)। इस योजना ने महिलाओं को धुएं से मुक्त रसोई प्रदान कर उनके स्वास्थ्य और सम्मान दोनों की रक्षा की है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 2025 तक तीन करोड़ से अधिक पक्के घरों का निर्माण या स्वीकृति दी जा चुकी है। जिससे गरीब परिवारों को स्थायित्व और सुरक्षा का आधार मिला है। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया और देश को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया गया, जिसने स्वच्छता को एक सामाजिक आंदोलन का रूप दिया। इसी तरह से कृषि क्षेत्र में भी सरकार की नीतियों ने व्यापक प्रभाव डाला है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत 2026 तक 11 करोड़ से अधिक किसानों को प्रतिवर्ष 6000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जा

रही है। इस योजना के तहत अब तक 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि वितरित की जा चुकी है (स्रोतः पीएम-किसान पोर्टल, 2026)। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के माध्यम से सिंचित क्षेत्र का विस्तार हुआ है और जल प्रबंधन को सुदृढ़ किया गया है। सॉयल हेल्थ कार्ड योजना के अंतर्गत 22 करोड़ से अधिक कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे किसानों को वैज्ञानिक खेती अपनाने में सहायता मिली है। फसल बीमा योजना के तहत करोड़ों किसानों को प्राकृतिक आपदाओं के समय आर्थिक सुरक्षा प्रदान की गई है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी सरकार की पहलें उल्लेखनीय रही हैं। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के परिणामस्वरूप लिंगानुपात में सुधार हुआ है और बालिका शिक्षा में वृद्धि दर्ज की गई है। सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत 03 करोड़ से अधिक खाते खोले जा चुके हैं, जो बालिकाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। तीन तलाक जैसी कुप्रथा को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को न्याय और समान अधिकार प्रदान किया गया, जो सामाजिक सुधार की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसके अतिरिक्त 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' के माध्यम से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को भी सशक्त बनाने का प्रयास किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में आयुष्मान भारत योजना ने गरीबों के लिए जीवन रक्षक कवच का कार्य किया है। 2026 तक इस योजना के अंतर्गत 50 करोड़ से अधिक लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है (स्रोतः राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण, 2026)। अब तक 06 करोड़ से अधिक अस्पताल में भर्ती उपचार इस योजना के तहत किए जा चुके हैं, जिससे करोड़ों परिवारों को आर्थिक संकट से बचाया गया है। साथ ही, देशभर में 1.5 लाख से अधिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा चुके हैं, जोकि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत कर रहे हैं। डिजिटल इंडिया अभियान के अंतर्गत भारत ने डिजिटल क्रांति का नेतृत्व किया है। 2025-26 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) के माध्यम से प्रति माह 1500 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए जा रहे हैं (स्रोतः एनपीसीआई, 2026)। यह भारत को विश्व का अग्रणी डिजिटल भुगतान राष्ट्र बनाता है। मेक इन इंडिया पहल के तहत भारत मोबाइल निर्माण में वैश्विक स्तर पर शीर्ष देशों में शामिल हो चुका है। स्किल इंडिया मिशन के माध्यम से 1.5 करोड़ से अधिक युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है, जिससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास हुआ है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत 35,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से बड़ी संख्या में परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं। रेलवे के आधुनिकीकरण के तहत वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार हुआ है और 2026 तक 75 से अधिक रूटों पर इनका संचालन किया जा रहा है (स्रोतः भारतीय रेलवे, 2026)। 'उड़ान' योजना के तहत 500 से अधिक हवाई मार्ग शुरू किए गए हैं, जिससे छोटे शहरों को हवाई संपर्क मिला है। ग्रामीण विद्युतीकरण के अंतर्गत लगभग सभी गांवों तक बिजली पहुंचाई जा चुकी है। देखने में आ रहा है कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में जल जीवन मिशन एक क्रांतिकारी पहल बनकर उभरा है। 2026 तक 14 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराया जा चुका है। यह पहल ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता को सुधारने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध हुई है। वहीं, शहरी क्षेत्रों में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 100 शहरों में आधुनिक बुनियादी ढांचे का विकास किया जा रहा है (स्रोतः आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय)। इन सभी प्रयासों में एक समान सूत्र स्पष्ट रूप से दिखाई देता है; सुशासन, पारदर्शिता और जनभागीदारी। तकनीक के उपयोग, डिजिटल प्लेटफॉर्म और प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से सरकार ने योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया है। जनसहभागिता के माध्यम से इन योजनाओं को जनआंदोलन का स्वरूप दिया गया है, जिससे उनकी सफलता और प्रभावशीलता दोनों में वृद्धि हुई है। अतः आज इस संदर्भ में भारतीय जनता पार्टी को उसके स्थापना समय से लेकर अब तक यदि समग्र रूप से याद किया जाए तो कहना यही होगा कि भाजपा सरकार की योजनाएं सिर्फ विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं रही हैं, वे समाज के प्रत्येक वर्ग को सशक्त बनाने का माध्यम बनी हैं। ये योजनाएं एक ऐसे भारत की नींव रख रही हैं, जोकि आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त है। अंत्योदय की भावना से प्रेरित यह विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है, जिसमें लक्ष्य आर्थिक उन्नति के साथ ही सामाजिक न्याय और सभी के लिए समान अवसर हैं।

संस्कृति को सशक्त बनाने का संकल्प

डॉ. एस.के. गोपाल

भारतेंदु नाट्य अकादमी ने उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक परिदृश्य में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। रंगमंच के माध्यम से समाज की संवेदनाओं को व्यक्त करना, नई प्रतिभाओं को मंच देना और कला के प्रति लोगों की रुचि को विकसित करना, ये सभी कार्य इस संस्था ने निरंतर किए हैं। यहां से निकलकर अनेक कलाकारों ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। इस दृष्टि से यह अकादमी केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं अपितु सांस्कृतिक चेतना का केंद्र रही है। पचास वर्षों की यात्रा केवल समय का विस्तार नहीं, यह साधना, समर्पण और निरंतर सृजन की सजीव गाथा है जिसने रंगमंच को समाज से जोड़े रखा और उसे जीवंत बनाए रखा। इस यात्रा में अनेक पीढ़ियों का योगदान समाहित है जिसने इस संस्था को परंपरा और प्रयोग दोनों का संगम बनाया है। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में आयोजित स्वर्ण जयंती नाट्य समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर अकादमी के भवन और प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्यों का लोकार्पण हुआ। पूर्व विद्यार्थियों, वरिष्ठ रंगकर्मियों और कलाविदों का सम्मान किया गया तथा 'रंगवेद' पत्रिका का विमोचन हुआ। यह सब मिलकर इस बात का संकेत देता है कि सांस्कृतिक संस्थाओं को नई ऊर्जा देने का प्रयास हो रहा है। मुख्यमंत्री ने भारतीय महापुरुषों के जीवन पर आधारित लघु नाटकों के लेखन और मंचन का आह्वान किया और विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन सांस्कृतिक मंचन की बात कही। यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ने का सशक्त माध्यम बन सकती है। इन प्रयासों के साथ कुछ व्यावहारिक प्रश्न भी सामने आते हैं। सरकारी प्रेक्षागृहों का किराया आज भी अनेक रंगकर्मियों के लिए बाधा बना हुआ है। सीमित संसाधनों में काम करने वाले कलाकार अच्छे विचारों के बावजूद मंच तक नहीं पहुंच पाते। यदि प्रेक्षागृह रियायती दर पर उपलब्ध कराए जाएं तो अधिक प्रस्तुतियां संभव होंगी और नई प्रतिभाओं को अवसर मिलेगा। इसी प्रकार संस्कृति विभाग से जुड़े संस्थानों में लंबे समय से कई महत्वपूर्ण पद रिक्त हैं। इसका सीधा प्रभाव कार्य की गति और गुणवत्ता पर पड़ता है। नियुक्ति प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करना आवश्यक है ताकि संस्थान पूरी क्षमता से कार्य कर सकें और योजनाएं प्रभावी ढंग से लागू हो सकें। यह भी उतना ही जरूरी है कि सरकारी आयोजन केवल औपचारिकता बनकर न रह जाएं। उनका उद्देश्य स्पष्ट हो और उनका प्रभाव दीर्घकालिक हो। कला और संस्कृति के क्षेत्र में किए जाने वाले प्रयासों में निरंतरता और गंभीरता आवश्यक है। कलाकारों को मंच मिले, दर्शकों को सार्थक प्रस्तुति मिले और समाज को विचार मिले, तभी ऐसे आयोजनों का वास्तविक अर्थ सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री की मंशा भी यही प्रतीत होती है कि संस्कृति को केवल अवसर विशेष का विषय न मानकर जनजीवन का हिस्सा बनाया जाए। नाटक और रंगमंच समाज के दर्पण होते हैं। वे केवल मनोरंजन नहीं करते अपितु सोचने की दिशा देते हैं और संवेदनाओं को जागृत करते हैं। ऐसे में रंगमंच को सशक्त करना समाज को सशक्त करना है। आज आवश्यकता है कि पारंपरिक कला रूपों को नए संदर्भों में प्रस्तुत किया जाए जिससे नई पीढ़ी उनसे जुड़ सके। साथ ही यह भी जरूरी है कि उनकी मूल आत्मा सुरक्षित रहे। सांस्कृतिक गतिविधियों का विस्तार शहरों से आगे बढ़कर कस्बों और गांवों तक होना चाहिए। वहां प्रतिभा की कमी नहीं है, केवल अवसरों का अभाव है। यदि मंच और मार्गदर्शन उपलब्ध हो तो अनेक नई संभावनाएं सामने आ सकती हैं। भारतेंदु नाट्य अकादमी जैसे संस्थान इस दिशा में मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकते हैं और सांस्कृतिक प्रवाह को व्यापक बना सकते हैं। संस्कृति को सशक्त बनाने के लिए केवल योजनाएं पर्याप्त नहीं अपितु इच्छाशक्ति, प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। जब प्रेक्षागृह सुलभ होंगे, संस्थान सशक्त होंगे, कलाकारों को अवसर मिलेगा और आयोजन उद्देश्यपूर्ण होंगे, तब संस्कृति अपने वास्तविक रूप में समाज के जीवन का हिस्सा बनेगी। यही इस अवसर का सार है और यही हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

भारत पर युद्ध थोपने की तैयारी में जुटा पाकिस्तान

डॉ. रवीन्द्र अरजरिया

समूची दुनिया में जंग की दहशत चरम सीमा पर है। पड़ोसी देशों के तनावपूर्ण संबंध युद्ध के मुहाने पर पहुंचते जा रहे हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मध्य खूनी खेल शुरू हो चुका है, जिसका भारत पर सीधा प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। विभाजन के बाद से ही पाकिस्तानी सत्ता ने भारत को अपना पैत्रिक दुश्मन मान लिया था। अनेक मंचों पर उसने भारत-विरोधी एजेंडा चलाया।

हाल ही में उसने अफगानिस्तान के साथ अपने कटुतापूर्ण संबंधों के लिए भारत को उत्तरदायी ठहराया, जबकि उसके आंतरिक हालात बद से बदतर हो चुके हैं। कमर तोड़ महंगाई, नागरिक सुविधाओं का अभाव, संसाधनों में निरंतर कटौती, टैक्स का बढ़ता बोझ, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रही फजीहत, नष्ट होते आर्थिक हालात जैसे अनगिनत कारणों से वहां की आवाम का आक्रोश चरम सीमा पर पहुंच चुका है।

इतिहास गवाह है कि जब-जब पाकिस्तान के आंतरिक हालात खराब हुए या सत्ता के विरोध की स्थितियां निर्मित हुईं, तब-तब उसने मनगढ़ंत आरोप लगाकर भारत के साथ युद्ध जैसे हालात बनाए। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तान चारों ओर से समस्याओं से घिरा हुआ है। संयुक्त अरब अमीरात ने उसे अप्रैल माह के अंत तक 3.5 अरब डॉलर का कर्ज वापस करने की चेतावनी दी है। वहां पेट्रोल लगभग 378 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 520 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं। जनसुविधाएं पूरी तरह चरमरा चुकी हैं। सत्ता पर कट्टरपंथियों का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बलूचिस्तान में अलगाववादी आंदोलन, खैबर पख्तूनख्वा में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकी हमले, सिंध में राजनीतिक अस्थिरता-इन सभी ने सेना और सरकार को हिलाकर रख दिया है। ऐसे में तीसरे विश्वयुद्ध जैसे हालातों के बीच पाकिस्तान भी भारत पर आक्रमण की तैयारी कर रहा है। वाक-युद्ध के तीर लगातार जहरीले होते जा रहे हैं। अफगान समस्या के बहाने मिसाइलें दागने की फिराक में है, ताकि अपने देश की जनता का ध्यान स्थानीय समस्याओं से हटाकर युद्ध की ओर मोड़ा जा

सके। ईरान और अमेरिका के साथ दोहरा खेल खेलने वाला यह देश प्रत्यक्ष रूप से अमेरिका का हमदर्द बनकर खड़ा दिखता है, परंतु पर्दे के पीछे से ईरान को भी सहयोग दे रहा है। कहा जा रहा है कि चीन और रूस के साथ-साथ पाकिस्तान भी ईरान को हथियारों की आपूर्ति तथा परमाणु सहयोग कर रहा है, जिसकी जानकारी अमेरिका को लग चुकी है। इसी कारण अमेरिका ने मध्यस्थता के लिए पाकिस्तान को आगे किया था, पर तेहरान ने पाकिस्तान के माध्यम से आए 15-सूत्रीय अमेरिकी युद्धविराम प्रस्ताव को अनुचित बताकर ठुकरा दिया। पाकिस्तानी षड्यंत्र लगातार उजागर होते जा रहे हैं। दुनिया भर के मुस्लिम देशों का ठेकेदार बनने की कोशिश में लगा यह देश अपने सहयोगियों के साथ मिलकर भारत को निशाना बनाना चाहता है। वहां का खुफिया तंत्र, आतंकी संगठन तथा कट्टरपंथी समूह भारत में भितरघातियों को तैयार करने में जुटे हैं। लखनऊ में आतंकी हमले का षड्यंत्र उजागर होने के बाद भितरघातियों के मंसूबे फिर सामने आए हैं। मुफ्तखोरी की राजनीति के नाम पर राष्ट्रविरोधी एजेंडा सफ़ेदपोशों की आड़ में पनप रहा है। राजनीतिक दलों के सिद्धांत, आदर्श और नीतियां केवल सत्ता प्राप्ति, धन संचय और वंशवाद तक सीमित होती जा रही हैं। कई बार सत्ता की तानाशाही देखने को मिलती है, तो कई बार विपक्ष राष्ट्रहित के मुद्दों पर भी विरोध करता दिखाई देता है। राष्ट्रीय सीमाओं पर बिगड़ते हालातों को नजरअंदाज करते हुए विरोधी दल आंतरिक कलह को बढ़ाने में लगे हैं। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसे अवसर मानकर पाकिस्तान देश में अशांति फैलाने के लिए अपने स्लीपर सेल सक्रिय कर रहा है। पश्चिम बंगाल के मालदा में न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाकर आतंकियों ने भीड़ के रूप में दहशत फैलाने का प्रयास किया। उल्लेखनीय है कि लगभग एक सप्ताह पहले ही सुरक्षा में सेंध की आशंका जताई गई थी। चर्चा है कि प्रशासन में मौजूद स्लीपर सेल अपने आकाओं के इशारे पर राष्ट्रविरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि चुनाव प्रभावित हो सकें और आतंक के माहौल में चुनाव कराए जा सकें।

पाकिस्तान की बांग्लादेश के साथ बढ़ती नजदीकियां भी चिंता का विषय हैं। वर्तमान परिस्थितियां संकेत देती हैं कि भारत को घेरने के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार की जा रही है, जिसमें बांग्लादेश, नेपाल, श्रीलंका, मालदीव के कट्टरपंथी संगठन और आतंकी समूह शामिल हो सकते हैं। राष्ट्रहित के मुद्दों पर भी कई राजनीतिक दल विरोध करते हैं, प्रमाण मांगते हैं और गुप्त रणनीतियों को उजागर करने का दबाव बनाते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि एक ओर बाहरी खतरे बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर आंतरिक षड्यंत्र भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आम जनता को समझदारी, विवेक और साहस का परिचय देना होगा, अन्यथा स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

प्रभात समय हिन्दी दैनिक, स्वामी सुधीर कुमार श्रीवास्तव के लिए व उनकी ओर से प्रकाशक एवं मुद्रक सय्यद मोहम्मद परवेज़ अशरफ ने सहाफत प्रेस सलेमपुर हाउस 25 कैसरबाग लखनऊ से छपवा कर 3/717 वास्तु खण्ड गोमती नगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक: सुधीर कुमार श्रीवास्तव, प्रबन्धक: आस्था श्रीवास्तव, मोबाइल: 9415089955

फसल नुकसान पर सख्त प्रशासन, गाटा-वार सर्वे से तय होगी राहत : जिलाधिकारी

प्रभात समय संवाददाता

कानपुर। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल को हुए नुकसान को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल गाटा-वार सर्वे कर वास्तविक स्थिति का आकलन करने में जुट गया है। किसानों को समय से क्षतिपूर्ति दिलाना प्रशासन की प्राथमिकता है। सर्वे कार्य में तेजी लाकर जल्द रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। यह बातें सोमवार को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कही।

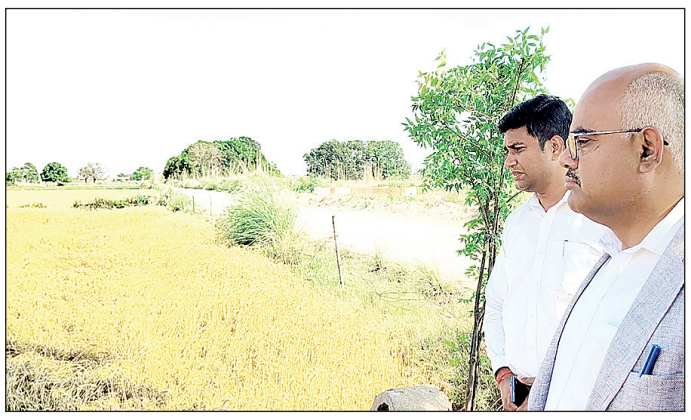

जनपद में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी ने तहसील सदर के सचेंडी तथा सोना गांव में खेतों का दौरा किया। उन्होंने खेतों में पहुंचकर फसल क्षति की स्थिति देखी और प्रभावित किसानों से बातचीत कर वास्तविक नुकसान की जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान जिलाधिकारी ने किसानों की समस्याएं सुनीं और वर्षा से फसलों पर पड़े प्रभाव के बारे में विस्तृत जानकारी ली। किसानों ने बताया कि अचानक हुई बारिश से कई स्थानों पर खड़ी फसल बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे आर्थिक नुकसान की चिंता बढ़ गई है। जिलाधिकारी ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में फसलें प्रभावित हुई हैं, वहां तत्काल सर्वेक्षण कार्य शुरू कराया जाए। उन्होंने कहा कि सभी लेखपाल अपने-अपने क्षेत्रों में गाटा-वार एवं क्षेत्रवार फसल क्षति का विस्तृत आकलन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने समस्त उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि सर्वे कार्य की नियमित निगरानी की जाए और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि तैयार रिपोर्ट शीघ्र शासन को भेजी जाए, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर क्षतिपूर्ति मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बस ने मारी ट्रैक्टर में टक्कर, ट्रैक्टर चालक की मौत, बस चालक सहित सात घायल

प्रभात समय संवाददाता

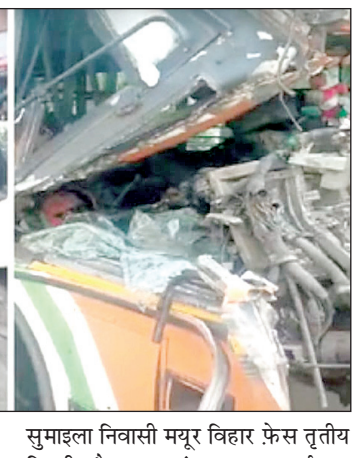

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक थाना क्षेत्र के राहुल विहार के सामने सोमवार को दिल्ली से आ रही रोडवेज बस ने सामने से जा रहे सरियों से लदे ट्रैक्टर में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर डिवाइडर में जा घुसा और उसका चालक एनएच-09 से नीचे सर्विस रोड पर जा गिरा। ट्रैक्टर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अजय यादव (30) निवासी लालकुआं के रूप में हुई है। हादसे में बस चालक सहित सात यात्री भी घायल हो गए।

क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने के प्रभारी श्वेता सिंह ने बताया कि बस चालक विपिन कुमार निवासी नौगवा पोखरिया सोनगिरी पीलीभीत की हालत नाजुक होने के चलते जिला अस्पताल से हॉयर सेंटर रेफर किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्य घायलों में अंकित(28) पुत्र मनोज निवासी ग्राम नेगपुर सुभाष नगर बरेली, विकास(18) पुत्र चौखे लाल निवासी नवाबगंज बरेली, कमल (25) पुत्र एतराम निवासी ग्राम सुचइया झाझर देवाना पिथौरगढ, अखलाक अहमद (42) पुत्र मुख्तार अहमद निवासी ग्राम दुहाई टांडा बरेली, इकराम (30) पुत्र सुमाइला निवासी मयूर विहार फ़ेस तृतीय दिल्ली और कृष्णा मंडल (35) वर्ष पुत्र निरंजन निवासी भूरा कॉलोनी योरा हुसेनपुर पीलीभीत शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी को प्राथमिकी उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। बस चालक विपिन दिल्ली रेफर किया गया है।

जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंप की कार्यवाही की मांग

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। सोमवार को जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने आज जनपद की ज्वलंत समस्याओं को लेकर प्रशासन को घेरते हुए जिलाधिकारी कार्यालय में दो महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपे, पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने निजी स्कूलों की मनमानी और हाल ही में हुई ओलावृष्टि से किसानों को हुए भारी नुकसान पर तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की, प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल के नेतृत्व में दिए गए पहले ज्ञापन में निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों के आर्थिक शोषण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया, ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि स्कूल प्रबंधन हर वर्ष निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें बदलकर अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालते हैं ताकि पुरानी किताबों का उपयोग न हो सके, इसके अलावा यूनिफॉर्म और शिक्षण सामग्री को निर्धारित दुकानों से खरीदने का दबाव बनाया जाता है, जदयू ने मांग की कि सभी स्कूलों में एनसीईआरटी की पुस्तकें अनिवार्य की जाएं तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों पर 5 लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जाए, साथ ही बिना खेल मैदान वाले स्कूलों की मान्यता रद्द करने की भी चेतावनी दी गई, इसके साथ ही दूसरे ज्ञापन में ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों की दयनीय स्थिति को उठाते हुए कहा गया कि हाल की भारी बारिश और ओलावृष्टि ने बुंदेलखंड के किसानों की कमर तोड़ दी है और वे कर्ज के बोझ तले दब गए हैं, ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि फसलों की बर्बादी किसानों को आत्मघाती कदम उठाने के लिए मजबूर कर सकती है, पार्टी ने मांग की कि राजस्व विभाग की टीमों द्वारा तत्काल पारदर्शी सर्वे कराया जाए और नुकसान का मुआवजा सीधे किसानों के खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजा जाए, साथ ही कृषि ऋणों की वसूली पर तत्काल रोक और ब्याज माफी सुनिश्चित की जाए।

खाद्य सुरक्षा को लेकर सख्ती, 1457 निरीक्षण में 408 नमूने फ़ेल

❐ जिला स्तरीय समिति की बैठक में कार्रवाई तेज करने के निर्देश, लाखों के खाद्य पदार्थ नष्ट

प्रभात समय संवाददाता

उन्नाव। जिलाधिकारी कार्यालय में सोमवार को अपर जिलाधिकारी सुशील कुमार गौड़ (वि/रा) की अध्यक्षता में जिला स्तरीय खाद्य सुरक्षा सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए।

सहायक आयुक्त (खाद्य) ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1457 निरीक्षण किए गए, जिनमें 578 छापे और 615 नमूने संग्रहित किए गए। इनमें से 408 नमूनों की रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिनमें 208 नमूने मानक के अनुरूप नहीं पाए गए। इस संबंध में न्याय निर्णायक अधिकारी के न्यायालय में 108 वादों का निस्तारण करते हुए 37 लाख 88 हजार रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया।

विशेष अभियान के तहत होली के दौरान 59 नमूने लिए गए और लगभग 2.97 लाख रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ नष्ट किए गए, जबकि 9.37 लाख रुपये मूल्य के खाद्य पदार्थ सीज किए गए। अपर जिलाधिकारी ने विभागीय कार्यों की सराहना करते हुए आम जनमानस को जागरूक करने और गन्ने के रस व जूस विक्रेताओं को कैंप के माध्यम से जागरूक करने के निर्देश दिए।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि आइसक्रीम, दूध, पानी निर्माण एवं विक्रय स्थलों का नियमित निरीक्षण किया जाए। साथ ही पीडीएस, आबकारी दुकानों एवं आंगनबाड़ी संस्थानों का शत-प्रतिशत लाइसेंस/पंजीकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को समन्वय स्थापित करने को कहा गया।

सहायक आयुक्त (खाद्य) ने बताया कि आगामी महीनों में जनपद की सभी तहसीलों में जागरूकता, प्रशिक्षण एवं लाइसेंस पंजीकरण के कैंप आयोजित किए जाएंगे। साथ ही दूध, खोया, पनीर समेत अन्य खाद्य पदार्थों की निर्माण इकाइयों से अधिक से अधिक नमूने संग्रहित करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी प्रियंका सिंह, औषधि निरीक्षक अशोक कुमार, जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी, जिला आबकारी अधिकारी अनुराग मिश्रा सहित व्यापार मंडल के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और अपने सुझाव भी प्रस्तुत किए।

सहायक पुलिस अधीक्षक ने नगर कोतवाली देहात का किया निरीक्षण

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। सोमवार को सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर मेविस टॉक द्वारा थाना कोतवाली देहात का त्रैमासिक निरीक्षण किया गया । इस दौरान उन्होंने थाना परिसर, अभिलेखों तथा शस्त्रागार का गहन अवलोकन किया । निरीक्षण के समय थाना अभिलेखों की स्थिति देखी गई और उन्हें अद्यावधिक एवं सुव्यवस्थित रखने के निर्देश दिए गए । क्षेत्राधिकारी नगर ने पुलिसकर्मियों की उपस्थिति, ड्यूटी पालन एवं अनुशासन की भी समीक्षा की । उन्होंने सभी कर्मियों को अपने कार्य के प्रति सजग रहते हुए जनता के साथ संवेदनशील एवं सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने के निर्देश दिए । अपराधों की समीक्षा के क्रम में निर्देशित किया गया कि वांछित व्यक्तियों की शीघ्र गिरफ्तारी की जाए साथ ही लम्बित विवेचनाओं का शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करें ताकि प्रभावी पैरवी के माध्यम से अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जा सके । निरीक्षण के दौरान पुलिसकर्मियों की शस्त्रों की हैंडलिंग की जांच की गई ।

अधिकारियों को शस्त्रों के सुरक्षित रख-रखाव, सफाई एवं उपयोग के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । लम्बित प्रार्थना पत्रों की जांच कर शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए साथ ही निर्देशित किया गया कि थाने में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसका निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए । निरीक्षण के दौरान उन्होने थाना कार्यालय, अभिलेख, मालखाना, शस्त्रागार, हवालात, सीसीटीएनएस कक्ष, मिशन शक्ति केन्द्र, महिला हेल्प डेस्क, कम्प्यूटर कक्ष तथा थाने की साफ-सफाई आदि का गहन अवलोकन किया गय

चोरी की तीन मोटरसाइकिलो के साथ शातिर चोर गिरफ्तार

❐ पुलिस ने शातिर चोर पर की कार्यवाही

प्रभात समय संवाददाता

बांदा। चोरी की तीन मोटरसाइकिलो के साथ पुलिस ने शातिर चोर को पकड़ा है। वहीं उसका साथी भागने में सफल रहा। गिरफ्तार अभियुक्त को पुलिस ने जेल भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में सोमवार को थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा मोटरसाइकिल चोरी करने वाले शातिर अभियुक्त को पकड़ा है। सहायक एसपी मेविस टॉक ने बताया कि थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के रहने वाले अभिलाष चन्द्र गुप्ता द्वारा व थाना मटौंध क्षेत्र के ग्राम पटना के रहने वाले लक्ष्मीनारायण द्वारा थाना कोतवाली नगर पर सूचना दी गई कि क्रमशः 17 व 18 जनवरी को मवई बाईपास से अज्ञात लोगों द्वारा उनकी मोटरसाइकिल चोरी कर ली गई है। सूचना पर थाना कोतवाली नगर में धारा 303(2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तों की पहचान व गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे थे। इसी क्रम में थाना कोतवाली देहात पुलिस द्वारा गश्त एवं चेकिंग के दौरान अभियुक्त रवि पुत्र कल्लू निवासी गुरेह थाना कोतवाली देहात को बुन्देलखंड एक्सप्रेस वे सर्विस रोड़ के पास से गिरफ्तार किया गया। मौके से चोरी की 01 मोटरसाइकिल बरामद हुई है। वहीं चोर की निशानदेही पर 02 अन्य मोटसाइकिल को भी बरामद किया गया है।पूछताछ के दौरान अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि उक्त तीनों मोटरसाइकिल उसने अपने साथी आनंद सिंह के साथ मिलकर चोरी की गई थी। पुलिस द्वारा अभियुक्त को गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया है।

क्विक न्यूज

जानवर चराने गए वृद्ध की गंगा में डूब कर मौत

फर्रुखाबाद। शमसाबाद थाना क्षेत्र में रविवार को जानवर चराने गये एक वृद्ध की मौत हो गई। परिजनों ने रात भर उनकी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। सोमवार को गांव के सामने गंगा में उनका शव उतराता हुआ मिला। सूचना मिलने पर लेखपाल और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतक की पहचान अचानकपुर गांव निवासी मुलायम सिंह (75) के रूप में हुई है। बताया गया कि रविवार को वह अपने जानवर लेकर गंगा किनारे चराने गए थे। देर शाम जानवर तो घर वापस आ गए, लेकिन मुलायम सिंह नहीं लौटे। इसके बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन शुरू की। थानाध्यक्ष रमेश सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया वृद्ध की मौत गंगा में डूबने से हुई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पड़ोसी ने किसान को मारी गोली, हालत गंभीर

नोएडा। जिले में थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम अट्टा फतेहपुर में रहने वाले 48 वर्षीय किसान को उसके पड़ोसी ने सोमवार की शाम को गोली मार दी। गोली उसके जबड़े में फंस गई है। अत्यंत गंभीर हालत में उसको उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। दनकौर थाना प्रभारी मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम अट्टा फतेहपुर में कासिम रहते हैं। उनके गांव के ही पड़ोस मे रहने वाले कायदे आजम नाम के व्यक्ति ने सोमवार की शाम को उन्हें गोली मार दी। गोली उनके जबड़े में जाकर फंस गई ।

दैवीय आपदा से पीड़ित किसानों को शत-प्रतिशत सहायता प्रदान करें: मंत्री

बांदा। जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद बीते रविवार व शनिवार को दैवीय आपदा ओलावृष्टि, अतिवृष्टि व आंधी-तूफान से प्रभावित किसानों के नुकसान को देखते हुए सम्बन्धित उच्चाधिकारियों को निर्देशित करते हुए। पीड़ित किसानों की फसलों का स्थालीय सर्वेक्षण करा प्रदेश सरकार की निर्देशों पर शत-प्रतिशत आर्थिक मदद मुआवजा तत्काल किसानों को दिए जाने का निर्देश दिया। क्योंकि लगभग तीन दर्जन गांवों के किसानों ने फोन के माध्यम से अपने ऊपर एक-एक हुए दैवीय आपादा की पीड़ा को व्यक्त किया जिसमें उनकी तैयार फसल बर्बाद हो गई। उसी क्रम में आज माननीय जलशक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद के आवास कैम्प कार्यालय में आधा सैकड़ा किसानों ने मुलाकात की और पूर्व आसमानी आफत से तबाही की जमीनी हकीकत बयां करते हुए मदद की गुजारिश की। जिसमें तत्काल माननीय जलशक्ति राज्यमंत्री ने जिलाधिकारी श्रीमती जे.रीभा को फोन के माध्यम से सम्पर्क कर सभी पीड़ित किसानों के हुए नुकसान का तत्परता के साथ सर्वे कराकर राहत दी जाने का निर्देश दिया।

हत्या का खुलासा, मृतक की पत्नी व सगा भाई गिरफ्तार

बांदा। पुलिस अधीक्षक बांदा पलाश बंसल के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाये जाने तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी बबेरु सौरभ सिंह निकट पर्यवेक्षण में थाना कमासिन पुलिस द्वारा व्यक्ति की गला दबाकर हत्या करने वाले अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि 3/4 अप्रैल की देर रात्रि थाना कमासिन क्षेत्र के ग्राम जामू में ट्यूबवेल पर पति-पत्नी सोने गये थे, जहां पर पति की मृत्यु हो गई थी । सूचना पर त्वरित रुप से कार्यवाही करते हुए पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लिया गया तथा फील्ड यूनिट व फॉरेंसिक टीम द्वारा मौके का गहनता से अवलोकन कर साक्ष्य संकलित करते हुए शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया था तथा मृतक की मां सरस्वती देवी की तहरीर पर आधार पर सुसंगत धाराओ में अभियोग पंजीकृत करते हुए अभियुक्तो की गिरफ्तारी के क्रम में थाना कमासिन पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर घटना को अंजाम देने वाले मृतक की पत्नी व मृतक के सगे भाई को भीती तिराहे के पास से गिरफ्तार किया गया ।

मुकदमो में पैरवी कराते ज्यादा से ज्यादा अपराधियों को सजा दिलायें : डीएम

प्रभात समय संवाददाता

❐ डीएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई अभियोजन कार्य की समीक्षा बैठक

बांदा। किसी भी दशा में अपराधी साक्ष्य के अभाव में बरी न होने पाए। मुकदमो में पैरवी कराते ज्यादा से ज्यादा अपराधियों को सजा दिलाये। जिससे पीड़ितों को न्याय मिल सके। उपरोक्त निर्देश जिलाधिकारी ने आयोजित अभियोजन की बैठक में दिए।

जिलाधिकारी जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अभियोजन कार्य की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने जे रीभा ने अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए तथा प्रभावी प्रक्रिया/ पैरवी करते हुए उनको सजा दिलाई जाए। उन्होंने महिला अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण करने के संबंध में पुलिस एवं अभियोजन अधिकारियों को निर्देशित किया।

उन्होंने निर्देश दिए की वाद में किसी भी दिशा में गवाह टूटने ना पाए तथा उनकी उपस्थिति सुनिश्चित कर सजा दिलाई जाए। कहा कि साक्ष्य के अभाव में कोई भी अपराधी मुकदमो से बरी न होने पाए। इसलिए मुकदमों में समय से गवाही कराते हुए अपराधियों को सजा दिलाये। जिससे पीड़ितो को न्याय मिल सके।

ई-फाइल तैयार करने के लिए लागिन जरूर करायें: डीएम

बांदा। सोमवार को जिलाधिकारी श्रीमती जे. रीभा की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में ई आफिस के संचालन के संबंध में बैठक संपन्न हुईस उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि ई आफिस के संचालन हेतु सभी कर्मचारी एवं अधिकारियों का ईमेल आईडी वबनवाकर उसका लागिन पासवर्ड तैयार कर ले और समय से लागिन करें इसके पश्चात फाइलों को ई आफिस के माध्यम से ही संचालित करये अन्यथा संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कडी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विकासखंड महुआ ,कमासिन के खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि ई फाइल तैयार करने हेतु लागिन जरूर कराये। उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत ,सेतु निगम एवं उद्यान अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने विभाग की लॉगिन आईडी बनवाकर फाइल ईमेल के माध्यम से ही प्रेषित करें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे ,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कर्मचारी की लापरवाही से हाथी खा गया था बरगद का पेड़

बांदा। पं.जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय में बरगद के पेड़ को लेकर लगातार मामला गर्माता जा रहा है। एक ओर जहां छात्र नेताओं ने प्राचार्य पर बरगद के पेड़ को कटवाने-छटवाने का आरोप लगाया है तो वहीं दूसरी ओर प्राचार्य का कहना है कि कर्मचारी की लापरवाही होली की छुट्टी में हाथी द्वारा पेड़ को खा लिया गया है, दोषी कर्मचारी के वेतन रोकने के साथ-साथ जांच कर कार्यवाही की जा रही है। पं.जेएन कालेज के प्राचार्य एसके कुशवाहा से जब मीडिया के महाविद्यालय परिसर में लगे बरगद के पेड़ को काटे जाने की कही तो उन्होंने कहा कि होली के अवकाश के दौरान महाविद्यालय में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी अर्जुन की लापरवाही से महावत के साथ विचरण कर रहा हाथी पेड़ की टहनियों को खा गया। उनको जब इस बात की जानकारी हुई तो उन्होंने दोषी कर्मचारी के वेतन रोकते हुए जांच कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।

आईपीटीवी पायरेसी अंतरराज्यीय गिरोह के 3 आरोपित गिरफ्तार

- पंजाब और राजस्थान तक फैला था नेटवर्क

प्रभात समय संवाददाता

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जनपद में थाना साइबर क्राइम व साइबर सेल पुलिस टीम ने सोमवार को संयुक्त कार्यवाही कर आईपीटीवी के माध्यम से अनाधिकृत प्रसारण करने वाले अन्तरराज्यीय गिरोह के 3 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित अवैध रूप से आईपीटीवी(बॉस आईपीटीवी) के माध्यम से कॉपीराइटेड कंटेंट का अनधिकृत प्रसारण कर साइबर धोखाधड़ी कर रहे थे।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देश पर जनपद में साइबर क्राइम एवं ठगी की घटनाओं पर अंकुश लगाने व साइबर अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी के क्रम में प्रभारी थाना साइबर अपराध राजेश सिंह, निरीक्षक थाना साइबर अपराध तेजवीर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 3 आरोपितों पदम सिंह पुत्र श्रीनिवास निवासी नगला चूरा, थाना बसई मोहम्मदपुर, अशोक धीमान पुत्र रोशन लाल निवासी मांडवी, जिला संगरुर पंजाब व जगदीश कुमार पुत्र महेन्द्र सिंह निवासी ददरेवा, थाना राजगढ़, जिला चुरु राजस्थान को विजयपुरा तिराहा से किया गिरफ्तार किया है। आरोपितों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल, लैपटॉप और भारी मात्रा में जाली खातों की पासबुक व अन्य सामग्री की बरामद की गई हैं।

एएसपी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों ने बॉस आईपीटीवी नामक अवैध प्लेटफॉर्म के माध्यम से जियो हॉट स्टार (ख्क्र क्ष्ट्ठ ट्ट्ठइट) सहित विभिन्न टीवी चैनलों का अनधिकृत प्रसारण किया जा रहा था। व्हाट्सएप ग्रुप पर लगभग 900+ सदस्य बनाकर ग्राहकों को जोड़ाकर, ग्राहकों को ऐप लिंक, यूजर आईडी व पासवर्ड उपलब्ध कराया जाता था। सब्सक्रिप्शन के नाम पर उनसे क्यूआर (ड्ट) कोड के माध्यम से पैसे वसूले जाते थे तथा प्राप्त धनराशि को विभिन्न बैंक खातों, यूपीआई आईडी एवं पोस्ट ऑफिस आरडी खातों में ट्रांसफर कर लेयरिंग की जाती थी। गिरफ्तार आरोपितों का गिरोह पंजाब-राजस्थान तक फैला हुआ है। गिरफ्तार आरोपितों में जगदीश के खाते में 20 लाख रुपये की जमा धनराशि फ्रिज कराई गई है।

यमुना विकास प्राधिकरण ने 973 रिहायशी प्लाटों की स्कीम की लॉन्च

प्रभात समय संवाददाता

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) ने सोमवार को 973 आवासीय भूखंडों की स्कीम लॉन्च की है। यह योजना उन लोगों के लिए एक सुनहरा मौका है जो एनसीआर या जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, फिल्म सिटी और यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक रहना चाहते हैं।

यमुना विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी शैलेंद्र भाटिया ने सोमवार को बताया कि प्राधिकरण ने सेक्टर-15सी, 18 और 24-ए में कुल 973 रिहायशी प्लॉटों की सोमवार से स्कीम लॉन्च की हैं। इस योजना में विभिन्न साइज के प्लॉट शामिल किए गए हैं ताकि हर वर्ग के लोग अपनी जरूरत के अनुसार आवेदन कर सकें। उन्होंने बताया कि प्लॉट के साइज 162, 183, 184, 200, 223 और 290 वर्ग मीटर है। ये सभी 973 प्लॉट 36,260 रुपये प्रति वर्गमीटर की दर पर आवंटित होंगे। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा संख्या 162 वर्ग मीटर (476 प्लॉट) और 200 वर्ग मीटर (481 प्लॉट) के हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना में रजिस्ट्रेशन के लिए अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य श्रेणियों के लिए अलग-अलग राशि निर्धारित की गई है।

उन्होंने बतायाकि उदाहरण के तौर पर, 162 वर्ग मीटर के प्लॉट के लिए अन्य श्रेणी के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 5,87,412 रूपये रखी गई है, जबकि अनुसूचित वर्ग के लिए यह 2,93,706 है। इसी तरह 290 वर्ग मीटर के सबसे बड़े प्लॉट के लिए अन्य श्रेणी के तहत रजिस्ट्रेशन फीस 10,51,540 तक है, जबकि, एससी/एसटी के लिए यह फीस 5,25,770 रखी गई है। योजना शुरू होने की तिथि 6 अप्रैल 2026 है। योजना बंद होने की तिथि 06 मई 2026 है। उन्होंने बताया कि लकी ड्रॉ की तारीख 18 जून 2026 है। उन्होंने बताया कि इच्छुक आवेदक प्राधिकरण की आधिकारिक वेबसाइट www. yamunaexpresswayauthority . com पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और आवंटन लकी ड्रॉ के माध्यम से किया जाएगा। आवेदकों की सुविधा के लिए प्राधिकरण ने कई बैंकों जैसे एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, कोटक महिंद्रा, केनरा बैंक, एचडीएफसी बैंक, आइसीआइसीआइ बैंक के साथ साझेदारी की है। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1800 180 8296 पर संपर्क किया जा सकता है।

क्विक न्यूज

प्रयागराज जंक्शन के सिटी साइड 15 अप्रैल से पार्किंग अस्थायी प्रतिबंधित

प्रयागराज। प्रयागराज जंक्शन स्टेशन पर चल रहे व्यापक पुनर्विकास कार्यों के क्रम में सिटी साइड पर भी निर्माण कार्य 15 अप्रैल से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित है। जिसके कारण 15 अप्रैल से अग्रिम आदेश तक सिटी साइड पर स्टेशन परिसर में वाहनों की पार्किंग सुविधा पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगी। यह जानकारी जनसम्पर्क अधिकारी अमित कुमार सिंह ने सोमवार को दी। उन्होंने बताया कि यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए रेल प्रशासन द्वारा सिविल लाइंस साइड पर समुचित एवं सुव्यवस्थित वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था विकसित की गई है। जिन यात्रियों को अपने वाहन पार्क करने की आवश्यकता है, वे उक्त वैकल्पिक व्यवस्था का उपयोग कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, सिटी साइड पर भी वैकल्पिक व्यवस्थाएं विकसित किए जाने के प्रयास निरंतर जारी हैं। उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित होते ही सिटी साइड पर यातायात एवं पार्किंग सुविधा पुनः प्रारम्भ कर दी जाएगी।

पत्नी के वियोग में इंजीनियर ने की आत्महत्या

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के सुमेरपुर क्षेत्र स्थित इंगोहटा गांव में सोमवार को एक इंजीनियर ने आत्महत्या कर ली। इसकी मुख्य वजह पत्नी के मायके से वापस न आना रहा। पुलिस शव को पोस्टमार्टम भेजकर मामले की जांच में जुट गई। इंगोहटा निवासी मां राजेश्वरी ने बताया कि उसका इंजीनियर पुत्र आशीष उर्फ बीरू कुशवाहा (28) मध्य प्रदेश की एक निजी कंपनी में कार्यरत था। सोमवार को वह अपने कमरे में सो रहा था, जब काफी देर तक बेटा बाहर नहीं निकला, तो वह उसे जगाने पहुंची। बीरू का शव छत पर लगे सीलिंग फैन से साड़ी के सहारे लटका देख उनके होश उड़ गए। मां ने बताया कि बीरू का विवाह एक वर्ष पूर्व कुंडौरा गांव निवासी अंजली से हुआ था। विवाह के बाद से ही पत्नी और उसके बीच अनबन चल रही थी । वह अपने मायके में ही रह रही थी। पत्नी के ससुराल न आने के कारण बीरू लंबे समय से मानसिक तनाव में था। आशंका है कि इसी वजह से उसने ये कदम उठाया हैं। राजेश्वरी ने बताया कि एक वर्ष पहले उसके पति चंद्रपाल की मृत्यु कैंसर से हुई थी। अब घर के बड़े बेटे की मौत से परिवार पर पहाड़ टूट पड़ा है। छोटा बेटा अभिषेक उर्फ विशाल मथुरा में बीटेक कर रहा है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। चौकी इंचार्ज मनीष पटेल ने बताया कि मृतक की जेब से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। जिसे फील्ड यूनिट अपने साथ ले गई। तहरीर मिलने पर परिवार के लोगों के समाने ही उसे खोला जाएगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच की जा रही हैं।

प्रीपेड स्मार्ट मीटर व गैस किल्लत को लेकर कांग्रेस का हल्लाबोल, जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में सोमवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर प्रीपेड स्मार्ट मीटरों की गड़बड़ियों और एलपीजी गैस की भारी किल्लत को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इस दौरान नारेबाजी की और जिलाधिकारी के माध्यम से शासन को ज्ञापन भेजा। जिलाध्यक्ष महेश द्विवेदी, शहर अध्यक्ष आरिफ गुड्डा व महिला जिलाध्यक्ष हेमलता पटेल ने संयुक्त रूप से कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर आज आम जनता के लिए जी का जंजाल बन गए हैं। बिना किसी पूर्व सूचना के बिजली कट जाना और तकनीकी खामियों के कारण उपभोक्ताओं को अत्यधिक बिल और मानसिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन मीटरों की विसंगतियों को दूर नहीं किया गया, तो कांग्रेस बड़े स्तर पर आंदोलन के लिए बाध्य होगी। इस दौरान महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष व पूर्व विधानसभा प्रत्याशी हेमलता पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी प्रतिभाग किया। हेमलता पटेल ने रसोई गैस की किल्लत पर कहा कि एक तरफ महंगाई आसमान छू रही है, दूसरी तरफ समय पर गैस सिलेंडर न मिलने से गृहणियों का बजट और रसोई का प्रबंधन पूरी तरह चरमरा गया है। सरकार को तत्काल हस्तक्षेप कर गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए ताकि आम जनमानस को राहत मिल सके। इस अवसर पर आईएनसीडब्लू सचिव मोहित कुमार वर्मा, कलीम उल्ला सिद्दीकी, सरला सिंह, रंजना, सुमन, रानी, उदित, संजय, हम्माद हुसैन, आकाश आदि लोग रहे।

जीएसटी आर्थिक दक्षता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण साधन: प्रो. सत्यकाम

- मुक्त विवि में जीएसटी सुधारों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए शोध पत्र आमंत्रित
- प्रो. देवेश रंजन त्रिपाठी बने संयोजक, वेबसाइट पर पंजीकरण प्रारम्भ

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों के सामाजिक, आर्थिक प्रभावों, नीति निर्माण और शैक्षणिक विमर्श को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय एवं भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में भारत सरकार की ओर से जीएसटी 2.0 सुधारों को जन- जन तक पहुंचाने के लिए 8 मई को एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आयोजित किया जा रहा है।

दूरस्थ शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान रखने वाले विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने सोमवार को बताया कि यह पहल देश के जीएसटी सुधारों को समझने, क्रियान्वित करने और उनके प्रभावों का विश्लेषण कर आवश्यक सुझावों को एकत्रित कर नीति निर्माताओं के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए है। कुलपति ने कहा कि भारत का एकीकृत कर प्रणाली की ओर बढ़ना स्वतंत्रता के बाद से हुए सबसे महत्वपूर्ण वित्तीय परिवर्तनों में से एक है। भारत 'विकसित भारत 2047' की आकांक्षा रखता है। ऐसे में जीएसटी समावेशी विकास, राजकोषीय सुदृढ़ी करण और आर्थिक दक्षता प्राप्त करने का एक महत्वपूर्ण साधन है। इस सुधार ने औपचारिक अर्थव्यवस्था के विस्तार, डिजिटलीकरण के माध्यम से कर अनुपालन में सुधार और अंतर-राज्यीय व्यापार को बढ़ावा देने में योगदान दिया है। हालांकि, कुछ चुनौतियां अभी भी बनी हुई हैं जैसे कि कर दर युक्तिकरण, लघु एवं मध्यम उद्यमों के लिए अनुपालन की जटिलता और राज्य राजस्व प्रदर्शन में असमानताएं, जिनका समाधान भारत विकास के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए आवश्यक है।

प्रोफ़ेसर सत्यकाम ने बताया कि यह संगोष्ठी चार्टर्ड लेखाकारों, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं, निवेशकों और उद्योग विशेषज्ञों को भारत के दीर्घकालिक विकासात्मक रोडमैप के संदर्भ में जीएसटी सुधारों के बहुआयामी प्रभाव पर चर्चा करने के लिए एक मंच प्रदान करेगी। उन्होंने बताया, संगोष्ठी में डिजिटल परिवर्तन, राजकोषीय संघवाद और पारदर्शिता को बढ़ावा देने में कर पेशेवरों की भूमिका पर गहन चर्चा की जाएगी।

दो पक्षों में मारपीट के बाद बवाल, आगजनी

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में स्थित नवाबगंज थाना क्षेत्र में वाहन खड़ा करने को लेकर दो पक्षों में विवाद के बाद मारपीट, पथराव, तोड़फोड़ और आगजनी की घटना सामने आई है। घटना के बाद इलाके में कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और कई लोगों को हिरासत में लिया है।

पुलिस के मुताबिक नवाबगंज थाना क्षेत्र के हथिगंहा महमदपुर में सोमवार शाम वाहन खड़ा करने को लेकर दो पक्षों के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच पथराव हुआ और कुछ वाहनों में तोड़फोड़ कर दी गई। आरोप है कि इस दौरान ट्रैक्टर और कई बाइकों को नुकसान पहुंचाया गया तथा आगजनी की भी घटना हुई।

सहायक पुलिस आयुक्त सोरांव श्यामजीत सिंह ने बताया कि सोमवार को नवाबगंज थाने में महमदपुर निवासी कंचन सिंह यादव ने सूचना दी थी कि उसके भाई नितिन यादव और गुंजन यादव को मारपीट में चोट आई है। सूचना पर पुलिस ने दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा। वहीं दूसरे पक्ष ने गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी का आरोप लगाया है। दोनों पक्षों की तहरीर लेकर मामले की जांच की जा रही है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है। पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि वाहन खड़ा करने को लेकर दो पक्षों में विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट और तोड़फोड़ की घटना हुई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित कर लिया है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। हालांकि मौके पर शांति व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है।

दो लाख श्रद्धालुओं ने शीतला धाम में टेका माथा, आस्था का उमड़ा सैलाब

प्रभात समय संवाददाता

मीरजापुर। चुनार क्षेत्र के अदलपुरा स्थित बड़ी शीतला धाम में आयोजित दो दिवसीय अठगवां गौड़ेर मेले में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा।

सोमवार को करीब दो लाख श्रद्धालुओं ने मां शीतला के दरबार में शीश नवाकर आशीर्वाद मांगा। मंदिर परिसर से लेकर चार किलोमीटर दूर तक सड़क और जलमार्ग पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं।

मेले में पहुंचे भगत बांस की बल्ली में फरहरा, हाथों में दीपक लेकर ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते मां के जयघोष करते हुए धाम पहुंचे। मंदिर क्षेत्र झंडों से पट गया और हर ओर भक्ति का माहौल बना रहा। जलमार्ग से आने वाले श्रद्धालुओं को खासा परेशानी का सामना करना पड़ा। गंगा में रेत जमा होने से मोटरबोट और नावों को ढाई से तीन किलोमीटर दूर ही रोकना पड़ा। घाट पर जगह कम पड़ने से कई नावों को दूर खड़ा करना पड़ा, जिससे श्रद्धालुओं को पैदल रेत पार कर धाम तक पहुंचना पड़ा। भोर से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। धक्का-मुक्की के बीच भक्तों ने मां के दरबार में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। भारी भीड़ को नियंत्रित करने में पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। सुरक्षा व्यवस्था में कोतवाल विजय शंकर सिंह समेत पुलिस बल तैनात रहा।

अमेरिकन महिला के हीरे और सोने के जेवरात चोरी करने वाली घरेलू सहायिका गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

नोएडा। नोएडा में अमेरिकन नागरिक महिला के घर से लाखों रुपए कीमत के जेवरात चोरी करने वाली एक घरेलू सहायिका को थाना सेक्टर 20 पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 2 लाख रुपए नगद बरामद हुआ है।

थाना सेक्टर 20 के प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि थाना सेक्टर 20 में एक फरवरी को श्रीमती सुभा गंगल पत्नी प्रफुल्ल मित्तल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह शिकागो अमेरिका की निवासी हैं। उनकी मां मीना सेक्टर 20 के डी- ब्लॉक में रहती हैं। पीड़िता के अनुसार वह एक शादी में भाग लेने के लिए भारत आई थी। वह अपनी मां के घर पर रुकी थी। उनके अनुसार उन्होंने अपने हीरे और सोने के जेवरात उतार कर अलमारी में रख दिया था। उनकी मां को घरेलू कार्य के लिए घरेलू सहायिका की जरूरत थी। 31 जनवरी को सुबह 9 बजे 2 अज्ञात महिलाएं घरेलू कार्य के लिए आई। पैसे आदि तय करने के बाद उन्हें घर के काम में उन लोगों ने लगा दिया। घर का कार्य करते-करते धोखा देकर उन्होंने घर में रखे हुए लाखों रुपए कीमत के हीरे और सोने के जेवरात चोरी कर लिया।

थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही पुलिस ने सोमवार को एक सूचना के आधार रूबी देवी पत्नी मनोज शाह को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 2 लाख रुपए नगद बरामद हुए हैं।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अवसरों के असंतुलन पर शिक्षकों का विरोध, कुलपति को सौंपा ज्ञापन

प्रभात समय संवाददाता

जौनपुर। यूपी के वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शैक्षणिक व प्रशासनिक कार्यों के असंतुलित वितरण को लेकर शिक्षकों का असंतोष सामने आया। सोमवार को बड़ी संख्या में शिक्षकों ने एकत्र होकर कुलपति को ज्ञापन सौंपते हुए समान अवसर और पारदर्शिता की मांग उठाई हैं।शिक्षकों का आरोप है कि लंबे समय से समितियों, मूल्यांकन, निरीक्षण व अन्य महत्वपूर्ण कार्यों में कुछ चुनिंदा लोगों को ही बार-बार जिम्मेदारी दी जा रही है, जबकि कई योग्य शिक्षक इससे वंचित रह जाते हैं। इससे विश्वविद्यालय में असमानता का माहौल बन रहा है और शैक्षणिक वातावरण प्रभावित हो रहा है।इस दौरान डॉ. जे.पी. सिंह ने कहा कि सभी शिक्षकों को समान अवसर मिले और किसी प्रकार का पक्षपात नहीं होना चाहिए। डॉ. राज बहादुर यादव ने योग्य शिक्षकों की अनदेखी को चिंता का विषय बताया। डॉ. यदुवंश ने पारदर्शी व्यवस्था पर जोर देते हुए कहा कि इससे शिक्षकों का विश्वास मजबूत होगा।डॉ. लक्ष्मण सिंह ने रोटेशन प्रणाली लागू करने की मांग की, ताकि हर शिक्षक को अवसर मिल सके। डॉ. संजय शर्मा ने विश्वविद्यालय को एक परिवार बताते हुए समानता और पारदर्शिता को जरूरी बताया। वहीं डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि शिक्षकों की सहभागिता बढ़ने से शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार होगा।शिक्षक संघ के पदाधिकारी डॉ. उज्ज्वल सिंह ने कहा कि प्रतिनिधियों को केवल उनके अधिकार के अनुसार ही अवसर दिए जाएं, इससे अधिक देना अन्य शिक्षकों के अधिकारों का हनन है। उन्होंने पैनल, प्रैक्टिकल, निरीक्षण व ऑब्जर्वर की सूची सार्वजनिक करने की मांग की।

यूपी बोर्ड की फर्जी वेबसाइट बनाकर ठगी करने वाले गिरोह के और दो सदस्य गिरफ्तार

प्रभात समय संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पुलिस की साइबर क्राइम थाना प्रयागराज की पुलिस ने सोमवार को उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की फर्जी वेबसाइट बनाकर छात्रों और अभिभावकों से ठगी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से बड़ी संख्या में फर्जी अंकपत्र, डिग्री, मोहर, मोबाइल फोन और लैपटॉप बरामद किया है।

साइबर क्राइम के नोडल प्रभारी एवं पुलिस उपायुक्त गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि मुजफ्फरनगर निवासी मो. राशिद जो वर्तमान में लक्ष्मी नगर, दिल्ली में रहता है और बागपत के मूल निवासी समीर जो वर्तमान निवासी स्वरूप नगर, दिल्ली को गिरफ्तार किया है। हालांकि इस प्रकरण में इससे पहले पांच आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

डीसीपी गंगानगर ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओरिजिनल वेबसाइट www.upmsp.edu.in से मिलती-जुलती फर्जी वेबसाइट www.upmsp-edu.in बनाकर विद्यार्थियों और अभिभावकों से ऑनलाइन वेरिफिकेशन और अन्य सेवाओं के नाम पर अवैध भुगतान कराकर ठगी करते थे। इस मामले में साइबर क्राइम थाना प्रयागराज में मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही थी। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे फर्जी वेबसाइट बनाकर यूपी बोर्ड और अन्य विश्वविद्यालयों के फर्जी अंकपत्र, डिग्री, डिप्लोमा और प्रव्रजन प्रमाण पत्र तैयार कर देशभर के छात्रों और शिक्षण संस्थानों को उपलब्ध कराते थे। फर्जी दस्तावेजों का डेटा फर्जी वेबसाइट के डाटाबेस में अपलोड कर ऑनलाइन वेरिफिकेशन भी करा देते थे, जिससे दस्तावेज असली प्रतीत होते बरामद हुए हैं। पुलिस ने टीम ने गिरफ्तार आरोपितों के कब्जे से 4 एंड्रॉयड मोबाइल फोन,7 सिम, 190 फर्जी अंकपत्र, डिप्लोमा व प्रव्रजन प्रमाण पत्र, 1 लैपटॉप,4 फर्जी मोहर, 98 होलोग्राम, 1 पेन ड्राइव, 1 पासबुक व 2 चेकबुक बरामद किया हैं। पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों के खिलाफ आईटी एक्ट और अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध वेबसाइट पर भुगतान न करें। साइबर ठगी का शिकार होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत करें या www.cybercrime.gov.in पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराएं।

आरआर को तीसरी जीत की तलाश, एमआई वापसी की उम्मीद में

एजेंसी

गुवाहाटी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में मंगलवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) टूर्नामेंट में तीसरी जीत दर्ज करना चाहेगी वहीं मुंबई इंडियंस (एमआई) पिछले मैच में मिली हार की निराशा से उबरते हुए वापसी के इरादे से मैदान में उतरेगी।

बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले में राजस्थान की टीम हालिया जीतों से उत्साहित होकर इस मैच में उतर रही है, यह एक ऐसी टीम है जिसका आत्मविश्वास हर मैच के साथ बढ़ता जा रहा है। उनके प्रदर्शन में आत्मविश्वास झलकता है। रियान पराग की कप्तानी में, टीम में एक अलग ही तरह का संयम देखने को मिल रहा है; यह एक युवा टीम है जो अपने इतिहास के भारी बोझ के बिना खेल रही है, लेकिन अपनी क्षमताओं को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

उनकी बल्लेबाजी ने काफी अच्छे संकेत दिए हैं, और टीम के हर खिलाड़ी ने सही समय पर और पूरे तालमेल के साथ अपना योगदान दिया है। यशस्वी जायसवाल ने पारी की शुरुआत में ही तेज और शानदार खेल दिखाते हुए टीम को अच्छी शुरुआत दी है, जिसमें उनका इरादा और निरंतरता साफ झलकती है। वैभव सूर्यवंशी की मौजूदगी ने टीम की बल्लेबाजी में एक नई जान डाल दी है; उनकी निडर बल्लेबाजी ने पावरप्ले के दौरान टीम को काफी गति प्रदान की है। मध्यक्रम में, ध्रुव जुरेल ने पूरी परिपक्वता के साथ पारी को संभाला है, जबकि शिमरोन हेटमायर ने दबाव भरे पलों में भी बड़े-बड़े छक्के लगाकर टीम को शानदार फिनिशिंग दी है। पराग ने स्वयं भी अपनी बल्लेबाजी और कप्तानी दोनों से टीम में अहम योगदान दिया है, जिससे टीम की मुख्य बल्लेबाजी संरचना में स्थिरता बनी रही है। रवींद्र जडेजा की हरफनमौला क्षमताओं ने टीम के निचले क्रम को और भी मजबूत बनाया है, जिससे टीम को तेजी से रन बनाने और संतुलन बनाए रखने में मदद मिली है।

गेंदबाजी की बात की जाये तो टीम की गेंदबाजी अभी भी चिंता का एक विषय बनी हुई है। जोफ्रा आर्चर ने अपनी तेज गति और विकेट लेने की क्षमता के दम पर गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई की है, जबकि नांद्रे बर्गर ने नई गेंद से स्विंग और मूवमेंट का फायदा उठाकर उनका बखूबी साथ दिया है। मध्य ओवरों में, रवि बिश्नोई ने अपनी विविधताओं का इस्तेमाल करते हुए विकेट लेने की क्षमता का प्रदर्शन किया है, जिसमें संदीप शर्मा और तुषार देशपांडे की अनुशासित गेंदबाजी ने उनका पूरा साथ दिया है। इन व्यक्तिगत प्रयासों के बावजूद, मैच के अलग-अलग चरणों में लगातार नियंत्रण बनाए रखना अभी भी एक बड़ी चुनौती है, जिसकी असली परीक्षा शायद दबाव भरे पलों में ही होगी।

दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस की टीम खड़ी है, एक ऐसी टीम जो पिछले कई वर्षों से लगातार मिली सफलताओं के कारण अपने कंधों पर उम्मीदों का भारी बोझ लेकर चल रही है। हार्दिक पांड्या की कप्तानी में, यह टीम अपनी पहचान की तलाश में उतनी नहीं है, जितनी कि अपनी निरंतरता को वापस पाने की तलाश में है। हाल के नतीजे भले ही उतार-चढ़ाव भरे रहे हों, लेकिन इस स्तर की टीमें शायद ही कभी अल्पकालिक उतार-चढ़ाव से परिभाषित होती हैं। टीम में बल्लेबाजी में अनुभव और प्रतिभा का बेहतरीन मेल है।

रोहित शर्मा शीर्ष क्रम में संयमित आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी करते हैं, जो टाइमिंग और प्लेसमेंट पर आधारित मजबूत आधार प्रदान करते हैं। सूर्यकुमार यादव मध्य क्रम में रचनात्मकता का तड़का लगाते हैं, जो सहजता से गति बदलने और अपने विविध स्ट्रोक से गेंदबाजों को परेशान करने में सक्षम हैं।

रग्बी प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण 16 से 28 जून तक, हैदराबाद करेगा मेजबानी

एजेंसी

नई दिल्ली। जीएमआर स्पोर्ट्स और रग्बी इंडिया ने संयुक्त रूप से रग्बी प्रीमियर लीग (आरपीएल) के दूसरे संस्करण की घोषणा की है। यह लीग 16 से 28 जून 2026 के बीच हैदराबाद के गाचीबौली स्टेडियम में आयोजित की जाएगी।

पिछले वर्ष मुंबई में सफल पहले संस्करण के बाद आरपीएल एक बार फिर तेज़-तर्रार रग्बी 7प प्रारूप में लौट रही है। लीग का उद्देश्य भारत में रग्बी के विकास को गति देना और इसे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना है। दूसरे संस्करण में पहले सीज़न की छह फ्रेंचाइज़ी टीमें हिस्सा लेंगी, जिससे भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को उच्च स्तर का मंच मिलेगा और दर्शकों को रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

हैदराबाद में आयोजन का फैसला खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में जीएमआर स्पोर्ट्स की दीर्घकालिक योजना का हिस्सा है। हाल ही में कंपनी ने तेलंगाना सरकार के साथ भारत फ्यूचर सिटी में सैटेलाइट स्पोर्ट्स सिटी विकसित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। तेलंगाना सरकार के विशेष मुख्य सचिव (युवा विकास, पर्यटन एवं संस्कृति और खेल विभाग) जयेश रंजन ने कहा कि हैदराबाद का वैश्विक खेल केंद्र के रूप में उभरना राज्य की दीर्घकालिक नीति और अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों का परिणाम है। ऐसे आयोजन पर्यटन, शहर की पहचान और राज्य की खेल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देते हैं। रग्बी इंडिया के अध्यक्ष राहुल बोस ने कहा कि आरपीएल का लक्ष्य हर बार बेहतर प्रदर्शन करना और प्रशंसकों, प्रायोजकों व फ्रेंचाइज़ी के लिए बेहतर अनुभव प्रदान करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि हैदराबाद में होने वाला आरपीएल 2026 और भी अधिक रोमांचक होगा।

जीएमआर स्पोर्ट्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्यम त्रिवेदी ने कहा कि हैदराबाद का उत्कृष्ट खेल बुनियादी ढांचा, बेहतर कनेक्टिविटी और उत्साही दर्शक इसे इस लीग के लिए आदर्श स्थान बनाते हैं। यह आयोजन युवाओं को प्रेरित करेगा और रग्बी के प्रति भागीदारी बढ़ाने में मदद करेगा। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ तेलंगाना की उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ए. सोनिबाला देवी ने कहा कि इस तरह के अंतरराष्ट्रीय आयोजन उभरते खिलाड़ियों को अनुभव प्रदान करते हैं और राज्य के खेल पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाते हैं। उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा, स्थापित लीग प्रारूप और नए मेज़बान शहर के साथ रग्बी प्रीमियर लीग का दूसरा संस्करण भारत में इस खेल के विकास में अहम भूमिका निभाने के साथ दर्शकों को शीर्ष स्तर का रोमांच प्रदान करेगा।

आईसीसी ने मार्च के लिए सैमसन और बुमराह को 'प्लेयर ऑफ द मंथ' नामित किया

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मार्च के लिए सोमवार को महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के नामों का ऐलान कर दिया है। इस बार भारत के स्टार खिलाड़ी संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह को पुरुष वर्ग में नामित किया गया है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से टीम को बड़ी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई है, जिसके चलते इन्हें इस सम्मान का प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

संजू सैमसन ने मार्च महीने में काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ नाबाद 97 रन बनाए और इसके बाद इंग्लैंड तथा न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और फाइनल में लगातार 89-89 रनों की पारियां खेलीं। उनकी इन पारियों ने टीम को मुश्किल हालात से निकालकर खिताबी जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बुमराह की घातक गेंदबाजी बनी जीत की कुंजी- जसप्रीत बुमराह ने भी आईसीसी टी 20 विश्व कप में अपनी सटीक और किफायती गेंदबाजी से विरोधी टीमों को पूरी तरह दबाव में रखा। उन्होंने अहम मुकाबलों में कुल 7 विकेट लिए और फाइनल में 4 ओवर में सिर्फ 15 रन देकर 4 विकेट झटकते हुए मैच जिताऊ प्रदर्शन किया। बुमराह और सैमसन के अलावा अन्य नामितों में दक्षिण अफ्रीका के युवा बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन भी शामिल हैं, जिन्होंने अपने शुरुआती अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 5 मैचों में 200 रन बनाए और अपनी टीम को श्रृंखला जिताने में अहम भूमिका निभाई।

महिला वर्ग में भी कड़ी टक्कर- महिला वर्ग में न्यूजीलैंड की कप्तान अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और दक्षिण अफ्रीका की अयाबोंगा खाका को नामांकन मिला है। इन सभी खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से इस सम्मान के लिए मजबूत दावेदारी पेश की है। ऐसे होगा विजेता का चयन- महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का चयन विशेषज्ञों की समिति और दुनियाभर के प्रशंसकों के मतदान के आधार पर किया जाता है। इसमें विशेषज्ञों के वोट का हिस्सा अधिक होता है, जबकि प्रशंसकों के वोट भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विजेताओं की घोषणा हर महीने के दूसरे सप्ताह में की जाती है।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में समीर रिजवी आगे

पर्पल कैप पर रवि बिश्नोई का कब्जा

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरुआती मुकाबलों के बाद ऑरेंज कैप (सबसे ज्यादा रन बनाने वाले को दिया जाता है) और पर्पल कैप (सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले को दिया जाता है) की रेस दिलचस्प हो गई है। सभी टीमों के दो-दो मैच पूरे हो चुके हैं, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स ने तीन-तीन मुकाबले खेले हैं।

ऑरेंज कैप की दौड़- रनों की सूची में इस समय दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज समीर रिजवी शीर्ष पर हैं, जिन्होंने शानदार शुरुआत करते हुए 160 रन बना लिए हैं। रिजवी ने दोनों पारियों में लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम को जीत दिलाई। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में नाबाद 70 रन और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 गेंदों में 90 रन की मैच जिताऊ पारियां खेलीं। इन दोनों मुकाबलों में उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया।

दूसरे स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन हैं, जिन्होंने तीन पारियों में 145 रन बनाए हैं। क्लासेन ने 31, 52 और 62 रनों की पारियां खेलते हुए 147.95 के स्ट्राइक रेट से प्रभावित किया है। मुंबई इंडियंस के कप्तान रोहित शर्मा 113 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 38 गेंदों में 78 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। इसके अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के देवदत्त पडिक्कल (111 रन), पंजाब किंग्स के कूपर कोनोली (108 रन) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृष रघुवंशी (103 रन) भी 100 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हैं।

पर्पल कैप की रेस-गेंदबाजों की बात करें, तो इस समय चार खिलाड़ी पांच-पांच विकेट लेकर बराबरी पर हैं। इनमें रवि बिश्नोई पर्पल कैप की रेस में आगे हैं। बिश्नोई ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 4 विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को जीत दिलाई। यह इस सीजन के अब तक के दो 'चार विकेट हॉल' में से एक है। दूसरा प्रदर्शन कोलकाता नाइट राइडर्स के ब्लेसिंग मुजरबानी ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ किया था। अन्य गेंदबाजों में पंजाब किंग्स के विजयकुमार विशाक, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जैकब डफी और चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज भी पांच-पांच विकेट लेकर इस रेस में बने हुए हैं।

आईपीएल 2026 के शुरुआती चरण में ही बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जो आगे और रोमांचक होने की उम्मीद है।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन आज घरेलू सर्राफा बाजार में सोना और चांदी के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट आने के कारण ये चमकीली धातु आज दिल्ली सर्राफा बाजार में 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,51,070 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,50,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,38,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,51,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,38,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,50,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दाम 11.1 फीसदी तक बढ़ाए, नई दरें 5 अप्रैल से लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क उत्पादक कंपनी एनएमडीसी ने लौह अयस्क के दामों में 11.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी की है। नई दरें 5 अप्रैल से प्रभावी हो गई है।

कंपनी ने सोमवार को बीएसई, एनएसई और द कलकत्ता स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड को अपने लौह अयस्क के दामों में 11.1 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने की जानकारी दी। कंपनी ने बताया कि पांच अप्रैल से लौह अयस्क की कीमतों में बदलाव किया गया है। एनएमडीसी ने कहा कि संशोधित कीमतें 'फ्री-ऑन-रेल' (एफओआर) आधार पर तय की गई हैं। इनमें रॉयल्टी, जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) शुल्क, राष्ट्रीय खनिज अन्वेषण न्यास (एनएमईटी) अंशदान, माल एवं सेवा कर, पर्यावरण उपकर और अन्य कर जैसे वैधानिक शुल्क शामिल नहीं हैं। कंपनी ने बताया कि नई कीमतें पांच अप्रैल से प्रभावी हो गई है।

कंपनी की ओर से दी गई सूचना के मुताबिक बैलाडीला खदानों (छत्तीसगढ़) से उत्पादित उच्च गुणवत्ता वाले बायला लंप (65.5 फीसदी लौह अंश) के दाम में 10.4 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। बायला फाइंस (64 फीसदी लौह अंश) के दाम 11.1 फीसदी बढ़ाए गए हैं। बायला फाइंस 10 मिलीमीटर से कम आकार का उच्च गुणवत्ता वाला लौह अयस्क उत्पाद है, जो बैलाडीला क्षेत्र की खदानों से प्राप्त होता है।

कंपनी के शेयर में आज (6 अप्रैल) को तेजी जारी रही। बीएसई पर शेयर शुरुआती कारोबार में पिछले बंद भाव 3 फीसदी तक चढ़कर 80.75 रुपये के हाई तक चला गया। एनएमडीसी ने हाल ही में समाप्त वित्त वर्ष 2025-26 में रिकॉर्ड 5.3 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया और 5.02 करोड़ टन लौह अयस्क की बिक्री दर्ज की थी।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स ने निचले स्तर से लगाई 1,478 अंक की छलांग

बाजार की तेजी से निवेशकों को 5.04 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। खाड़ी युद्ध के बीच शांति के नए प्रस्ताव आने की खबर से घरेलू शेयर बाजार की चाल में आज तेजी आ गई। शुरुआती कारोबार में गिरावट का सामना करने के बाद शेयर बाजार ने दिन के दूसरे सत्र में निचले स्तर से जोरदार रिकवरी की। सेंसेक्स निचले स्तर से 1,478 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी दिन के निचले स्तर से 455 अंक से अधिक की छलांग लगाने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.07 प्रतिशत और निफ्टी 1.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के बाद बीएसई और एनएसई के ज्यादातर सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। बैंकिंग, फाइनेंशियल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए।

दूसरी ओर, ऑयल एंड गैस इंडेक्स आज बिकवाली के दबाव की वजह से 1.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 1.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.29 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पांच लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 427.41 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 4.37 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 5.04 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,544 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 3,202 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,153 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 189 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 3,001 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,375 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 626 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 27 शेयर बढ़त के साथ और तीन शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 45 शेयर हरे निशान में और पांच शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 157.98 अंक की मजबूती के साथ 73,477.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के थोड़ी देर बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स 590.89 अंक की कमजोरी के साथ 72,728.66 अंक के स्तर तक गिर गया।

इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी। खासकर, दिन के दूसरे सत्र में पश्चिम एशिया में जारी जंग को रोकने के लिए नए शांति प्रस्ताव की खबर आने के बाद खरीदारों ने उत्साहित होकर चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 1,478.80 अंक उछल कर 887.91 अंक की तेजी के साथ 74,207.46 अंक के स्तर पर पहुंच गया। अंत में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 100 अंक फिसल कर 787.30 अंक की बढ़त के साथ 74,106.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी में आज 67.20 अंक की छलांग लगा कर 22,780.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बढ़ने पर यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 237.35 अंक लुढ़क कर 170.15 अंक की कमजोरी के साथ 22,542.95 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद दिन के दूसरे सत्र में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी ने निचले स्तर से रिकवरी शुरू कर दी।

लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से यह सूचकांक दिन के निचले स्तर से 455.40 अंक उछल कर 285.25 अंक की तेजी के साथ 22,998.35 अंक के स्तर तक आ गया।

इसके बाद दिन के सौदों के निपटारे की वजह से आखिरी 20 मिनट के कारोबार में हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से 30 अंक से अधिक फिसल कर 255.15 की मजबूती के साथ 22,968.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड 7.97 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 4.08 प्रतिशत, एक्सिस बैंक 3.96 प्रतिशत, अदानी एंटरप्राइजेज 3.71 प्रतिशत और टाइटन कंपनी 3.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, रिलायंस इंडस्ट्रीज 3.39 प्रतिशत, ओएनजीसी 1.86 प्रतिशत, मैक्स हेल्थकेयर 1.38 प्रतिशत, आयशर मोटर्स 0.80 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील 0.67 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एनएसजी भारत का अभेद्य कवच, इनकी वजह से हम हर हाल में सुरक्षित : मोहन यादव

❐ लाल परेड मैदान में हुआ नेशनल सिक्योरिटी गार्ड शो, मुख्यमंत्री ने किया समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यद्यपि हमारी संस्कृति हमें सबके सुख की कामना करना सिखाती है। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में दुनिया यह भी जान गई है कि यदि कोई हमें छेड़ेगा, तो हम उसे नहीं छोड़ेंगे। जो जिस भाषा में समझे, उसे उसी भाषा में समझाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) भारत का अभेद्य सुरक्षा कवच है। एनएसजी के कारण ही हमारी आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था बेहद सुदृढ़ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को भोपाल स्थित लाल परेड मैदान में आयोजित एनएसजी-शो में सहभागिता कर एनएसजी द्वारा मध्य प्रदेश पुलिस के जवानों के लिए आयोजित समग्र क्षमता निर्माण प्रशिक्षण और प्रदर्शन के साझा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अतिवादी ताकतें देश के विकास में बड़ी बाधक हैं। हमें ऐसी ताकतों से पूरी मजबूती से निपटना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश में बीते कालावधि में हुई किसी भी प्रकार की अतिवादी, अप्रिय घटनाओं एवं असामान्य परिस्थितियों में एनएसजी गार्ड की पूरी मुस्तैदी से मौजूदगी ने हमें यह एहसास कराया है कि एनएसजी है तो हम हर हाल में सुरक्षित हैं। एनएसजी देश की सीमा के भीतर नागरिक सुरक्षा की पक्की गारंटी की तरह है। एनएसजी के जवान अपनी जान की परवाह किए बिना राष्ट्र की रक्षा में तत्पर रहते हैं। यह बल अपनी पेशेवर क्षमता, अनुशासन और तकनीकी दक्षता के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है।

उन्होंने लाल परेड मैदान में आयोजित एनएसजी शो देखा और कमांडो के प्रदर्शन की सराहना की। शो के दौरान एनएसजी जवानों ने मॉक टेररिस्ट अटैक का रीयलस्टिक सीन क्रिएट कर इस तरह के अटैक्स को काउंटर कर पूरी क्षमता से निपटने के लिए एनएसजी द्वारा अपनाई जाने वाली पूरी प्रकिया एवं कार्रवाई का सजीव प्रदर्शन किया गया। उन्होंने कहा कि यह शो पुरुषार्थ और साहस से पराक्रम की पराकाष्ठा के प्रदर्शन का परिचायक है। इस प्रशिक्षण प्रदर्शन में जवानों ने हवा में उड़ते हुए जो करतब दिखाए हैं, वे सच में अद्भुत है। एनएसजी जवान हमारी सुरक्षा व्यवस्था की धुरी हैं। जल, थल, नभ हर तरह से देश पर किसी भी तरह की चुनौतियां और कठिनाइयां आ सकती हैं, इनसे निपटने की तैयारियों के लिए यह प्रशिक्षण और पूर्वाभ्यास बेहद महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण कार्यक्रम सह एनएसजी शो के शुभारंभ अवसर पर पुलिस बैंड द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अभिनंदन किया गया।

महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए भरा नामांकन

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र की उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार ने सोमवार को बारामती विधान सभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा नेता और राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, प्रफुल्ल पटेल सहित कई कद्दावर नेता मौजूद थे।

नामांकन भरते समय उप मुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार भावुक हो गईं थीं । उप मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कभी भी यह नहीं सोचा कि उन्हें उप चुनाव लडना पड़ेगा। सुनेत्रा पवार ने कहा कि वे चार बार मुख्यमंत्री रहे शरद पवार की बहू हैं। छह बार उपमुख्यमंत्री रहे अजीत पवार की पत्नी हैं। उन्होंने कहा, अजितदादा ने बारामती में आखिरी सांस ली। उन्होंने कहा, बारामती के लोगों को देखकर ही मुझे हिम्मत मिली। बारामती की हर इमारत में अजितदादा का स्पर्श है। मैं बारामती की इज़्ज़त को जरा भी कम नहीं होने दूंगी। अजितदादा ने वोट शेयर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। उन्होंने कहा, यह चुनाव नहीं, अजितदादा को श्रद्धांजलि देने का मौका है। अजीतदादा का जनता दरबार जारी रहेगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि बारामती का विकास जारी रहेगा।

इसी तरह आज राहुरी विधानसभा उपचुनाव के लिए भाजपा उम्मीदवार अक्षय शिवाजीराव कर्डिले ने अपना नामांकन भरा। यह सीट पूर्व भाजपा विधायक शिवाजीराव कर्डिले के निधन के बाद रिक्त हुई है। बारामती और राहुरी दोनों सीटों पर निर्विरोध चुनाव कराने का प्रयास मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित राकांपा एपी गुट के नेता कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बारामती के पूर्व विधायक और पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की विमान हादसे में 28 जनवरी, 2026 को मौत हो गई थी। उसके बाद रिक्त हुई इस सीट का उपचुनाव घोषित किया गया है। इस सीट पर नामांकन भरने की आखिरी तारीख थी, मतदान 23 अप्रैल को और मतगणना 4 मई को होगी ।

अमृतसर में पाकिस्तान निर्मित दो हैंड ग्रेनेड बरामद, तीन गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) विंग ने दो आर्गस हैंड ग्रेनेडों और एक विदेशी ग्लॉक पिस्तौल बरामद करने के साथ ही तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। बरामद किए गए ग्रेनेडों पर पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री (पीओएफ) की मार्किंग है, जो हथियार तस्करों से सीमा पार के संबंधों को दर्शाती है।

पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (पीआईओ) के आईएसआई समर्थित आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने की जानकारी सोमवार को पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने दी। उन्होंने बताया कि तरन तारन के गांव अम्मीशाह निवासी सरबजीत सिंह, अमृतसर के गांव नंगल पन्नूआं निवासी बिक्रमजीत सिंह और अमृतसर की इंद्रा कॉलोनी निवासी अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। डीजीपी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह मॉड्यूल कई राज्यों में योजनाबद्ध तरीके से पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने की कार्रवाई में शामिल रहा है और मुलजिमों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने उनके मंसूबों को पूरी तरह नाकाम कर दिया है। उन्होंने कहा कि इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों की पहचान, ट्रैकिंग और उन्हें पकड़ने के प्रयास जारी हैं। एआईजी स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर सुखमिंदर सिंह मान ने ऑपरेशन के विवरण साझा करते हुए कहा कि गुप्त सूचना पर आधारित कार्रवाई में एसएसओसी की पुलिस टीमों ने सरबजीत सिंह और अमनदीप सिंह को गिरफ्तार करके उनके कब्जे से हैंड ग्रेनेड और पिस्तौल बरामद किया। एआईजी ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला कि इस समूह का मुख्य गुर्गा और पीआईओ का प्राइमरी कॉन्टैक्ट बिक्रमजीत सिंह गुजरात के डीसा से काम कर रहा था। उन्होंने कहा कि यह जानकारी तुरंत एटीएस गुजरात के साथ साझा की गई थी और उनके सक्रिय सहयोग से मुलजिम बिक्रमजीत सिंह को एसएसओसी अमृतसर की टीम ने गिरफ्तार कर लिया।

एआईजी सुखमिंदर मान ने बताया कि जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि सभी मुलजिम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के माध्यम से पीआईओ के संपर्क में थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि आईएसआई हैंडलरों के निर्देश पर काम करते हुए यह समूह पंजाब और अन्य राज्यों में विभिन्न पुलिस संस्थानों पर ग्रेनेड हमले करने की योजना भी बना रहा था।

देश के पहले वस्त्र पुर्नप्राप्ति केंद्र ने अबतक 30 मीट्रिक टन अपशिष्ट को किया एकत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में स्थापित देश के पहले वस्त्र पुनर्प्राप्ति केंद्र (टीआरएफ) ने अब तक 30 मीट्रिक टन वस्त्र अपशिष्ट एकत्र कर 25.5 मीट्रिक टन की वैज्ञानिक ढंग से छंटाई की है और 300 से अधिक महिलाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराया है।

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने बताया कि इसे नवी मुंबई नगर निगम ने 'स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0' के तहत बेलापुर स्थापित किया है। इसके जरिए वस्त्र अपशिष्ट को वैज्ञानिक तरीके से छांटकर पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और अपसाइक्लिंग किया जा रहा है। इसके जरिए अबतक करीब 41,000 कपड़ों को प्रतिदिन औसतन 500 वस्त्रों की दर से संसाधित (प्रोसेस) किया गया। इसके जरिए महिलाओं ने तैयार किए गए बैग, कपड़ों और घर के सजाने वाले समानों को तमाम प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया।

मंत्रालय ने बताया कि इसके लिए नवी मुंबई नगर निगम ने सभी 8 वार्डों में आवासीय सोसाइटियों में विशेष वस्त्र संग्रह डिब्बे लगाए हैं। अब तक कुल 140 डिब्बे लगाए जा चुके हैं। कुल 250 डिब्बे लगाने का लक्ष्य है। कपड़ों के अपशिष्ट को एकत्र करने के बाद बेलापुर की अंतरिम टीआरएफ में कपड़ों को तौलकर टैग किया जाता है और उन्हें पुनः उपयोग योग्य, पुनर्चक्रण योग्य, अपसाइक्लिंग योग्य और अस्वीकृत श्रेणियों में बांटा जाता है। फाइबर पहचान के लिए 'कोशा' हैंडहेल्ड स्कैनर का उपयोग किया जाता है, जिससे कपास, पॉलिकॉटन, पॉलिएस्टर, ऊन और रेशम जैसी सामग्री की पहचान तुरंत कर ली जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि इस काम में अब तक 150 महिलाएं सक्रिय रूप से काम कर रही हैं और प्रति माह 9,000 से 15,000 रुपये तक कमा रही हैं। टीआरएफ ने अब इस पहल के जरिए 1,14,575 परिवारों को जोड़ा है, जिसके लिए 75 से अधिक जनजागरूकता कार्यशालाएं आयोजित की हैं। साथ ही टीआरएफ ने अब तक 350 से अधिक सोसाइटी प्रतिनिधियों को भी जोड़ा है।

मंत्रालय ने बताया कि इस सुविधा ने अबतक एकत्र किए गए नमूनों से 400 से अधिक अपसाइक्लिंग उत्पाद नमूने विकसित किए हैं, जिनमें अस्वीकृत वस्त्र अपशिष्ट से कागज बनाने का सफल प्रयोग भी शामिल है। प्रारंभिक चुनौतियों में डिब्बे लगाने का विरोध, वस्त्र छंटाई की जानकारी का अभाव और मिश्रित फाइबर की जटिलताएं शामिल थीं। इन्हें चरणबद्ध तैनाती, नागरिक सहभागिता और फाइबर स्कैनिंग तकनीक से दूर किया गया।

फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे अक्षय ओबेरॉय

एजेंसी

एक्टर अक्षय ओबेरॉय अभिनेता सुरेश ओबेरॉय के भाई कृष्ण ओबेरॉय के बेटे हैं। शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' में कास्ट किए जाने के बाद से अक्षय ओबेरॉय काफी सुर्खियों में हैं। 'किंग' साइन किए जाने के बाद से ही वे काफी खुश और एक्साइटेड हैं। 1 जनवरी, 1985 को अमेरिका में न्यूजर्सी के मोरिस टाउन में पैदा हुए अक्षय ओबेरॉय ने बाल्टीमोर में जॉन्स हॉपकिंस विश्वविद्यालय में थिएटर आर्ट्स और इकोनॉमिक?स में बेचलर की डिग्री हासिल की। उन्होंने न्यूयॉर्क शहर में स्टेला एडलर और फिर लॉस एंजिल्स में प्लेहाउस वेस्ट में एक्टिंग की ट्रेनिंग ली है।

मुंबई आने के बाद अक्षय ने किशोर नमित कपूर के एक्टिंग इंस्टिट्यूट में दाखिला ले लिया। वहां से निकलकर वे जुहू के मशहूर पृथ्वी थिएटर से जुड़कर मकरंद देशपांडे के साथ स्टेज करने लगे। अक्षय ओबेराय ने अपने करियर की शुरूआत कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'अमेरिकन चाय' (2002) से की । उसके बाद राजश्री प्रोडक्शंस की फिल्म 'इसी लाइफ में३!' (2010) में पहली बार उन्हें लीड रोल निभाने का अवसर मिला। इसके बाद वे बिजॉय नांबियार के टीवी शो 'एमटीवी रश' (2012) के पहले एपीसोड में नजर आए। बिजॉय नांबियार ने उन्हें सस्पेंस थ्रिलर फिल्म, 'पिज्जा' (2014) में भी अवसर दिया।

अक्षय अब तक फिल्म 'पीकू' (2015) 'लाल रंग' (2016) 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' (2019) 'गैसलाइट' (2023) 'फाइटर' (2024) और वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के मेन लीड वाली शशांक खेतान के निर्देशन में बनी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) जैसी 2 दर्जन से अधिक फिल्मों में नजर आ चुके हैं।

अक्षय ओबेरॉय फिल्मों के अलावा आधा दर्जन शोर्ट फिल्म और लगभग 16 वेब सीरीज भी कर चुके हैं। वेब सीरीज 'द टेस्?ट केस' (2017), 'इल्लीगल' (2020), 'इल्लीगल 2' (2021) 'इनसाइड एज' (2021) 'इल्लीगल 3' (2024) और 'द ब्रोकन न्यूज 2' (2024) में अक्षय के काम को काफी अधिक पसंद किया गया। अक्षय ओबेरॉय इन दिनों शाहरूख खान की फिल्म 'किंग' के अलावा 'टॉक्सिक', 'वर्चस्व' 'टू जीरो वन फोर' और फिल्म 'लाल रंग' (2016) के सीक्वेल की शूटिंग कर रहे हैं।

'भूत बंगला' का ट्रेलर रिलीज, फीका दिखा कॉमेडी-हॉरर का असर

एजेंसी

अभिनेता अक्षय कुमार की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'भूत बंगला' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, लेकिन इसे दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है। जहां फिल्म के टीजर और गानों ने पहले उत्सुकता बढ़ाई थी, वहीं ट्रेलर उस माहौल को पूरी तरह बरकरार रखने में सफल नजर नहीं आया।

ट्रेलर की शुरुआत वधुसुर नाम की आत्मा से होती है, लेकिन इसमें न तो डर का प्रभाव गहराई से उभरता है और न ही कॉमेडी पूरी तरह असरदार बन पाती है। महल और शादी का सेटअप भी काफी हद तक पारंपरिक और पहले देखे गए कॉन्सेप्ट जैसा लगता है। कई दृश्य अनुमानित प्रतीत होते हैं, जिससे ट्रेलर में सरप्राइज फैक्टर की कमी महसूस की जा रही है। कुछ जगहों पर कॉमेडी ओवरएक्टिंग की वजह से कमजोर पड़ती नजर आती है।

फिल्म में राजपाल यादव, परेश रावल, असरानी, तब्बू और वामिका गब्बी जैसे अनुभवी कलाकार शामिल हैं। निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है, जबकि निर्माण एकता कपूर के बैनर तले हुआ है। हालांकि ट्रेलर में इतनी मजबूत स्टारकास्ट का पूरा प्रभाव नजर नहीं आया। अब फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिसके बाद ही इसकी वास्तविक प्रतिक्रिया सामने आएगी।

एक्शन मोड में सनी देओल, 'एंटनी' को लेकर बढ़ी एक्साइटमेंट

एजेंसी

सनी देओल अपनी अगली एक्शन फिल्म 'एंटनी' की तैयारी में जुट गए हैं। 'बॉर्डर 2' की सफलता के बाद अब अभिनेता एक बार फिर दमदार एक्शन अवतार में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग का अगला शेड्यूल गोवा में रखा गया है, जहां करीब एक महीने तक बड़े स्तर पर एक्शन सीन फिल्माए जाएंगे।

यह फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बन रही है, जिसे फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी प्रोड्यूस कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म की शुरुआती शूटिंग मुंबई में पूरी की जा चुकी है, जिसके बाद अब निर्देशक बालाजी गणेश गोवा में एक महीने का बड़ा शेड्यूल शुरू करने जा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, फिल्म की कहानी सनी देओल के एक पुलिस ऑफिसर किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गोवा में सक्रिय एक आपराधिक गिरोह का पर्दाफाश करता है। इस दौरान कई बड़े और खतरनाक एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे, जिनमें सनी खुद भी हिस्सा लेते नजर आएंगे। फिल्म में ज्योतिका और विजय वर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे, जहां विजय वर्मा खलनायक के रूप में दिखाई देंगे। मेकर्स नाइट शूट और हाई-ऑक्टेन स्टंट्स के जरिए फिल्म को एक बड़े एक्शन एंटरटेनर के रूप में पेश करने की तैयारी में हैं।

सनी लियोन वाला किरदार निभाएंगी तमन्ना भाटिया

एजेंसी

एकता कपूर की फिल्म 'रागिनी एमएमएस' के तीसरे पार्ट 'रागिनी एमएमएस 3' के लिए एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया का नाम फायनल हो चुका है। सनी लियोन की तरह तमन्ना भी अब इस फिल्म के जरिए अपने हुस्न के जलवे दिखाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। शशांक घोष व्दारा डायरेक्ट की जाने वाली इस फिल्म में वह आमिर खान के बेटे जुनैद खान संग रोमांस करते नजर आने वाले हैं। इस डार्क कॉमेडी और म्यूजिकल फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और फिल्म अगले साल रिलीज होगी। 21 दिसंबर 1989 को मुंबई में जन्मीं तमन्ना आज बॉलीवुड और फैशन की दुनिया की मशहूर हस्तियों में से एक हैं। रेड कार्पेट से लेकर कैजुअल आउटिंग तक, तमन्ना हर मौके पर स्टाइलिश और ट्रेंडी दिखती हैं।

उनके कपड़े हमेशा फैशन ट्रेंड्स के हिसाब से होते हैं और उनका स्टाइल उनकी पर्सनालिटी को और भी निखार देता है। खूबसूरती के मामले में तो वह ऐश्वर्या को कड़ी टक्कर देती है। फिल्मों में कदम रखने से पहले साल 2005 में सिंगर अभिजीत सावंत म्यूजिक वीडियो 'लफ्जों में' में पहली बार तमन्ना भाटिया को नोटिस किया गया था। उसके बाद उन?होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत हिंदी फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' (2005) से की थी। फिर उसी साल तेलुगु फिल्म 'श्री' (2005) और उसके उसके अगले साल तमिल फिल्म 'केडी' (2006) में काम किया। इसके बाद उनकी तेलुगु फिल्म 'हैप्पी डेज़' और तमिल फिल्म 'कल्लूरी' (2007) आईं।

करियर के शुरुआती दिनों में तमन्ना भाटिया ने छोटे मोटे रोल भी किए मगर आगे उनकी मेहनत, टैलेंट और आत्मविश्वास ने उन्हें सिर्फ साउथ ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पहचान दिलाई और देखते ही देखते वह साउथ की फिल्म इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस बन गईं। तमन्ना भाटिया को सबसे ज्यादा पॉपुलेरिटी पेन इंडिया फिल्म 'बाहुबली: द बिगिनिंग' (2015) और 'बाहुबली 2: द कन्क्लूजन' (2017) से मिली।

फिल्म 'चांद सा रोशन चेहरा' (2005) के बाद तमन्ना ने 'हिम्मतवाला' (2013), 'हमशकल्स' (2014), 'एंटरटेनमेंट' (2014), 'तूतक तूतक तूतिया' (2016), 'खामोशी' (2019) और 'बबली बाउंसर' (2022) 'प्लान ए प्लान बी' (2022) और 'सिकंदर का मुकद्दर' (2024) जैसी हिंदी फिल्में कीं लेकिन साउथ की तरह उन्हें यहां उतनी कामयाबी नहीं मिल सकी। दूसरी तरफ तमन्ना भाटिया ने जब कुछ हिंदी फिल्मों मे स्पेशल सॉंग अपीयरेंस किया, तब उन पर फिल्माये गये वे डांस नंबर काफी सराहे गये।

फिल्म 'हिम्मतवाला' (2013) में अजय देवगन के साथ स्क्रीन शेयर करते हुए उन्होंने 'ताकी ताकी३' किया था। उसके बाद वह फिल्म 'हमशकल्स' (2014) में 'पिया के बाजार में' नजर आई थी।

'स्त्री 2' (2024) के गाने 'आज की रात' में तमन्ना ने अपने डांस मू?स से जो जलवा बिखरा वह कमाल का था। उसके बाद अजय देवगन की फिल्म 'रेड 2' (2025) के गाने 'नशा' में तमन्ना भाटिया ने अपने डांस मूव्स से फैंस के होश ही उड़ा दिए। तमन्ना भाटिया ट्रेंड भरतनाट्यम डांसर हैं। अपने अमेजिंग डांस मूव्स और स्टाइलिश स्क्रीन प्रेजेंस से वो हर बार ही बाजी अपने नाम कर लेती हैं. उनके लटके-झटके लोगों को दीवाना बना देते हैं। तमन्ना का डांस और अदाओं पर फैंस फिदा होते हैं।